मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 8 अंक 257
बुधवार, 10 जून 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

SIPRI: भारत ने पहली बार सीमा पर तैनात किए 12 परमाणु बम, ड्रैगन के लिए अलग तैयारी

नई दिल्ली, 9 जून । स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (सिप्री) की ताजा रिपोर्ट के अनुसार भारत ने पहली बार शांतिकाल में 12 परमाणु हथियारों को तैनात किया है। यह कदम भारत की परमाणु नीति में एक महत्वपूर्ण बदलाव का संकेत माना जा रहा है। सिप्री की रिपोर्ट में भारत के परमाणु हथियारों पर बड़ी जानकारियां सामने आई हैं। सिप्री की रिपोर्ट में कहा गया कि भारत के पास अब कुल 190 परमाणु हथियार हैं, जबकि एक वर्ष पहले यह संख्या 180 थी। इनमें से 12 हथियार तैनात माने गए हैं। यह पहली बार है जब वैश्विक हथियार निगरानी संस्था ने भारत के परमाणु भंडार के किसी हिस्से को केवल भंडारित रखने के बजाय परिचालन रूप से तैनात श्रेणी में रखा है। सिप्री की रिपोर्ट का

हवाला देते हुए भारत के परमाणु हथियारों की तैनाती का दावा कई मीडिया रिपोर्ट्स में किया गया है। सिप्री की रिपोर्ट में कहा गया है, लंबे समय से यह माना जाता रहा है कि भारत शांतिकाल में अपने परमाणु हथियारों को तैनात प्रक्षेपण प्रणालियों से अलग रखता है। हालांकि, मिसाइलों को कैनिस्टर में रखने और समुद्र आधारित प्रतिरोधक गश्त संचालित करने की हालिया पहल से संकेत मिलता है कि भारत शांतिकाल में कुछ परमाणु हथियारों को उनके प्रक्षेपण साधनों के साथ जोड़ने की दिशा में बढ़ सकता है। सिप्री के पिछले वार्षिक आकलनों में भारत के पास कोई भी तैनात परमाणु हथियार नहीं दशार्या गया था। ताजा रिपोर्ट के अनुसार जनवरी 2026 तक भारत के पास 12 तैनात और 178 भंडारित परमाणु हथियार हैं। इस प्रकार उसका कुल सैन्य परमाणु भंडार 190 हथियारों का हो गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत ने संभवतः कभी-कभार प्रतिरोधक गश्त पर जाने वाली एक परमाणु-संचालित बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बी (SSBN) पर सीमित संख्या में परमाणु हथियार तैनात करने की शुरूआत की है। यह आकलन ऐसे समय आया है, जब भारत अपने समुद्र आधारित परमाणु प्रतिरोधक तंत्र को लगातार मजबूत कर रहा है, जिसे परमाणु त्रिस्तरीय क्षमता का सबसे सुरक्षित हिस्सा माना जाता है।

भारत ने अगस्त 2024 के बाद से दो परमाणु-संचालित बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बियों, आईएनएस अरिघाच और आईएनएस अरिदमन को परिचालन में शामिल किया है। यह दोनों ही पनडुब्बियां परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम हैं। रश्इठ यानी परमाणु-संचालित बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बियां आमतौर पर लंबे समय तक पानी के भीतर रहकर प्रतिरोधक गश्त करती हैं। इनका मुख्य उद्देश्य परमाणु हमले की स्थिति में विश्वसनीय जवाबी हमला करने की क्षमता सुनिश्चित करना होता है। रिपोर्ट में भारत के व्यापक परमाणु आधुनिकीकरण कार्यक्रम का भी जिक्र किया गया है। सिप्री ने कहा, श्माना जाता है कि भारत ने 2025 में एक बार फिर अपने परमाणु भंडार में मामूली वृद्धि की है और नए प्रकार की परमाणु हथियार प्रक्षेपण प्रणालियों के विकास को जारी रखा है।

सिप्री के अनुसार भारत का हथियारों और सैन्य आधुनिकीकरण कार्यक्रम अब लंबी दूरी की उन प्रणालियों के विकास पर अधिक केंद्रित है, जो चीन के पूरे क्षेत्र में स्थित लक्ष्यों तक पहुंच सकें। हालांकि इसकी रणनीतिक योजना पर पाकिस्तान के साथ लंबे समय से चली आ रही प्रतिद्वंद्विता का प्रभाव बना हुआ है।

रोमांचक मुकाबले में आठ रन से जीता भारत, सात रन पर चार विकेट गंवाना श्रीलंका को पड़ा भारी

दांबुला, 9 जून। ऋतुराज गायकवाड़ के शतक के बाद गेंदबाज के दमदार प्रदर्शन ने भारत ए ने त्रिकोणीय सीरीज के पहले मुकाबले में श्रीलंका ए को आठ रन से हराया। भारत ए ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में छह विकेट पर 277 रन बनाए। जवाब में श्रीलंका ए की पूरी टीम 48.5 ओवर में 269 रन पर ऑलआउट हो गई। श्रीलंका को अंतिम ओवरों में सात रन के भीतर चार विकेट गंवाना भारी पड़ा और भारत ए ने इस तरह उसके मुंह से जीत छीन ली। लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका ए को निरोसन डिकवेला और अविष्का फर्नांडो ने अच्छी शुरूआत दिलाई। इन दोनों बल्लेबाजों ने पहले विकेट के लिए 93 रन जोड़े। लेकिन आयुष बदोनी ने पहले अविष्का (45) और फिर निरोसन (47) को आउट कर भारत ए को दो सफलता दिलाई। विपरज निगम ने इसके बाद नुवानिदु फर्नांडो (8) को आउट किया। इसके बाद सदीरा समरविक्रमा और कप्तान सहान अराचिगे के बीच चौथे विकेट के लिए 78 रनों की साझेदारी हुई। अनुकूल रॉय ने समरविक्रमा (46) को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। चार विकेट गिरने के बावजूद अराचिगे टिके रहे और उन्होंने अर्धशतक पूरा किया। लेकिन दूसरे छोर से विकेट गिरते रहे और श्रीलंका ए पर दबाव भी बढ़ता चला गया। रविनिदु फर्नांडो (1) के रूप में श्रीलंका ए को पांचवां झटका लगा। फिर चमीका करुणारत्ने (9) भी पवेलियन लौट गए। अराचिगे क्रीज पर टिके रहे, लेकिन मैच का रुख तब बदल गया जब अंशुल कंबोज ने उन्हें बोल्ड कर श्रीलंका को सातवां झटका दिया। अचारिगे 72 गेंदों पर छह चौकों और दो छक्कों की मदद से 74 रन बनाकर आउट हुए। अचारिगे जब पवेलियन लौटे तो श्रीलंका का स्कोर सात विकेट पर 262 रना था। यहां से भी टीम आसानी से मुकाबला जीत सकती थी, लेकिन श्रीलंका ए ने सात रन के भीतर आखिरी के चार विकेट गंवा दिए और भारत जीत दर्ज करने में सफल रहा। भारत ए के लिए अरशद खान, अनुकूल, आयुष और विपरज ने दो-दो विकेट झटके, जबकि कंबोज को एक सफलता मिली। इससे पहले, भारत-ए के कप्तान तिलक वर्मा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। हालांकि टीम को शुरूआती झटके लगे, लेकिन इसके बाद ऋतुराज गायकवाड़ ने पारी को संभाल लिया। चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान ऋतुराज ने आक्रामक और संयमित बल्लेबाजी का शानदार मिश्रण दिखाते हुए 112 गेंदों में अपना शतक पूरा किया। यह उनके लिस्ट-ए करियर का 21वां शतक रहा। भारत-ए की पारी को मजबूती देने में कप्तान तिलक वर्मा ने भी अहम भूमिका निभाई। दोनों बल्लेबाजों ने तीसरे विकेट के लिए 185 गेंदों में 150 रन की साझेदारी की। शतक पूरा करने के कुछ ही समय बाद ऋतुराज अपनी पारी को और बड़ा नहीं बना सके। वह 114 गेंदों में 101 रन बनाकर वानुजा साहन का शिकार बने। उनकी पारी में छह चौके और तीन छक्के शामिल रहे।

छह साल, हिमालय की चुनौती: भारत की 'जोजिला' सफलता के पीछे की कहानी

बालटाल (जम्मू-कश्मीर), 9 जून। जब मंगलवार को हिमालय में आखिरी धमाका हुआ और 'जोजिला टनल' के दोनों सिरे आपस में जुड़े, तो यह सिर्फ.इंजीनियरिंग की एक बड़ी कामयाबी नहीं थी।

Meil के उन सैकड़ों मजदूरों, इंजीनियरों, मशीन ऑपरेटरों और स्थानीय लोगों के लिए, जिन्होंने बफीर्ले तूफानों, हिमस्खलनों (avalanche) और जमा देने वाली ठंड का सामना करते हुए कई साल बिताए, यह एक ऐसी यात्रा का सुखद अंत था जिसे शायद ही कोई भूल पाए।

13.153 किलोमीटर लंबी जोजिला टनल का सफल निर्माण भारत के इंफ्रास्ट्रक्चर के इतिहास में एक अहम मोड़ है। फिर भी, इस कामयाबी के पीछे हिम्मत और लगन की एक मानवीय कहानी छिपी है, जो दुनिया के सबसे मुश्किल निर्माण वाले इलाकों में से एक में देखने को मिली। लगभग छह साल तक,

निर्माण टीमों ने 11,500 फीट से ज्यादा ऊंचाई पर काम किया, जहाँ अक्सर तापमान माइनस 30 डिग्री सेल्सियस तक गिर जाता था।

इस प्रोजेक्ट में मेघा इंजीनीअरींग के 1,200 से ज्यादा लोगों ने योगदान दिया, जिनमें से लगभग 80 प्रतिशत जम्मू-कश्मीर के स्थानीय समुदायों से थे। उन्होंने पूरे भारत से आए टनल-निर्माण विशेषज्ञों, भू-वैज्ञानिकों, सुरक्षा विशेषज्ञों और मशीन ऑपरेटरों के साथ मिलकर काम किया। काम बिना रुकावट चलता रहे, इसके लिए पहाड़ों के बीच ही एक पूरा सिस्टम बनाना पड़ा। मजदूर खास तौर पर बनाए गए कैंपों में रहते थे, जहाँ मेडिकल सुविधाएं, ट्रांसपोर्ट सिस्टम, किचन और रहने की जगह जैसी सुविधाएं थीं, ताकि चौबीसों घंटे काम हो सके। सर्दियों के दौरान, आने-जाने के रास्तों को खुला रखने के लिए स्नो-ब्लोअर लगातार चलते रहते थे। इंजीनियर पहाड़ के अंदर चट्टानों की हलचल पर नजर रखते थे, जबकि सुरक्षा टीमें बाहर हिमस्खलन के खतरों पर नजर रखती थीं। इस टनल के पूरा होने से पूरे इलाके के लोगों के जीवन स्तर में बदलाव आने की उम्मीद है। कारगिल और लद्दाख के लोगों के लिए, यह प्रोजेक्ट हेल्थकेयर, शिक्षा और जरूरी सामानों तक बेहतर पहुँच पक्की करेगा। व्यापारियों को सामान की सप्लाई को लेकर कम अनिश्चितता का सामना करना पड़ेगा। पर्यटकों के लिए, इसने साल भर यात्रा करने की संभावना खोल दी है। फिर भी, कई स्थानीय परिवारों के लिए, यह सुरंग कुछ ज्यादा निजी चीज का प्रतीक है: मौसमी अलगाव का अंत। जब जोरदार तालियों और उत्साह के बीच मेघा इंजीनीअरींग के वर्कर सुरंग के ब्रेकथ्रू पॉइंट से बाहर निकले, तो यह उपलब्धि सिर्फ. इंजीनियरों और मशीनों की नहीं थी, बल्कि उन हजारों लोगों की थी जिन्होंने मौसम, ऊँचाई या मुश्किल रास्तों को अपने रास्ते की रुकावट नहीं बनने दिया। हिमालय की गोद में बसे इन लोगों ने पहाड़ को काटकर रास्ता बनाया है—और शायद, पूरे इलाके का भविष्य बदल दिया है।

पत्नी को पुलिस परीक्षा दिलाने आए पति की हत्या, साले ने सिर में गोली मारी

सहारनपुर, 9 जून। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिले के रामपुर मनिहारान थाना क्षेत्र के गोचर महाविद्यालय के बाहर मंगलवार को 27 वर्षीय एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि युवक पत्नी को पुलिस भर्ती परीक्षा दिलाने महाविद्यालय आया था। पुलिस ने शुरूआती जांच के आधार पर बताया कि युवक का साला अपने साथियों के साथ घटनास्थल पर आया और बहनोई के सिर में बेहद करीब से गोली मार दी। मृतक ने चार महीने पहले ही आरोपी की बहन से प्रेम विवाह किया था। रामपुर मनिहारान थाना के प्रभारी उम्मेद कुमार ने मीडिया को बताया कि शामली जिले के थाना बाबरी क्षेत्र निवासी शिवकुमार पत्नी आकांक्षा को पुलिस भर्ती परीक्षा दिलाने गोचर महाविद्यालय आया था। उन्होंने बताया कि आकांक्षा परीक्षा देने कॉलेज के अंदर चली गई, जबकि शिवकुमार बाहर कार में बैठकर उसके लौटने का इंतजार कर रहा था। कुमार ने बताया कि इसी दौरान आकांक्षा का भाई मंजीत अपने साथियों के साथ वहां पहुंचा और तमंचे से शिवकुमार के सिर से सटाकर गोली मार दी। उन्होंने बताया कि शिवकुमार को तुरंत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। आकांक्षा ने पुलिस को बताया कि उसने चार महीने पहले शिवकुमार से प्रेम विवाह किया था। शादी के बाद से ही उसके परिजन, खासकर भाई मंजीत, इस रिश्ते का विरोध कर रहे थे और दोनों को लगातार धमकी दे रहे थे। आकांक्षा का आरोप है कि इसी कारण मंजीत ने शिवकुमार की हत्या की है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। उसने बताया कि आकांक्षा के बयान के आधार पर मंजीत के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है और उसको गिरफ्तार करने की कोशिश की जा रही है।

अयोध्या से दिल्ली रवाना हुए नृपेंद्र मिश्र

अयोध्या। राम मंदिर के दान पात्र से करोड़ों रुपये गबन के आरोप के बीच नृपेंद्र मिश्रा दिल्ली के लिए रवाना हो गए हैं। जिसका वीडियो खूब वायरल हो रहा है। हालांकि ट्रस्ट ने इस बात को लेकर सफाई दे चुका है कि राम मंदिर के चढ़ावे में कोई भी प्रकार की गड़बड़ी नहीं हुई है। इस घटना को लेकर समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव और अन्य विपक्षी नेताओं द्वारा अयोध्या के राम मंदिर के चढ़ावे में करोड़ों रुपये के गबन के आरोप लगाए थे। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष एवं केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की आंतरिक लेखा-परीक्षा (ऑडिट) का उल्लेख करते हुए कहा कि मामले की जांच की जा रही है और यदि कोई दोषी पाया जाता है तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इस बीच, आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सदस्य और उत्तर प्रदेश मामलों के प्रभारी संजय सिंह ने भाजपा पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि भाजपा अब भगवान के चढ़ावे को भी नहीं बख्श रही है।

भारत में गिरती प्रजनन दर पर मस्क क्यों चिंतित, खतरे से कैसे निपट रहीं सरकारें?

नईदिल्ली, 9 जून। भारत में गिरती प्रजनन दर का मुद्दा इस वक्त चर्चा में है। इसकी वजह है भारत से करीब 14 हजार किलोमीटर अमेरिका में बैठे दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति एलन मस्क का एक बयान। मस्क ने हाल ही में एक्स पर एक पोस्ट में चिंता जताते हुए कहा था कि भारत में जन्म दर अब रिप्लेसमेंट स्तर से नीचे गिर गई है। हालिया वर्षों की बात करें तो मस्क ने ऐसी ही कुछ चेतावनियां जापान और दक्षिण कोरिया को लेकर भी दी थीं। लेकिन अब उनका ध्यान दुनिया के सबसे ज्यादा जनसंख्या वाले देश-भारत की तरफ है। ऐसे में यह जानना अहम है कि आखिर एलन मस्क का पूरा बयान क्या था और इसमें किस ओर इशारा किया गया? भारत में प्रजनन दर गिरने की वजह क्या है? इसका भारत पर क्या असर पड़ सकता है? अब देश में इस समस्या से निपटने के लिए क्या किया जा रहा है? इससे पहले गिरती प्रजनन दर की समस्या

किन देशों के सामने खड़ी हुई और उन्होंने इससे निपटने के लिए क्या किया है? टेस्ला और स्पेसएक्स जैसी कंपनियों के मालिक एलन मस्क ने एक्स पर अमेरिकी मैगजीन द इकोनॉमिस्ट की एक रिपोर्ट साझा करते हुए अपना बयान दिया था। उन्होंने जिस रिपोर्ट का ग्राफिक साझा किया उसका शीर्षक था- 'भारत की आबादी जल्द ही कम होने लगेगी, शायद काफी तेजी से।'

रिप्लेसमेंट स्तर से नीचे जाती प्रजनन दरः मस्क इस तथ्य की ओर ध्यान दिलाने की कोशिश की है कि भारत की कुल प्रजनन दर (टोटल फर्टिलिटी रेट) अब 2.1 के रिप्लेसमेंट स्तर से नीचे आ गई है। रिप्लेसमेंट स्तर 2.1 होने का मतलब है कि एक दंपति औसतन इतने बच्चे पैदा कर रहा है जो अगली पीढ़ी में उनकी जगह ले सकें। मौजूदा समय में, भारत की प्रजनन दर गिरकर 1.9 रह गई है। इसे सीधे शब्दों में समझें तो भारत में जितने लोगों की मृत्यु हो रही है, उनकी जगह लेने लायक नए जन्म नहीं हो रहे। इससे भारत की आबादी में जल्द ही युवाओं की कमी देखने को मिल सकती है, जो कि लंबी अवधि में भारत की आबादी घटाने वाला साबित होगा। मस्क लंबे समय से यह तर्क देते आ रहे हैं कि दुनिया भर में तेजी से गिरती प्रजनन दरें मानव सभ्यता के अस्तित्व के लिए सबसे बड़े खतरों में से एक हैं। भारत में आजादी के बाद गरीबी का एक लंबा दौर देखा गया। 1950 में भारत की आबादी लगभग 36 करोड़ थी। इसी दौरान देश में कम संसाधनों के बीच जनसंख्या विस्फोट हुआ, जिससे देश की आबादी तेजी से बढ़ने लगी और 1970 तक यह 54 करोड़ का आंकड़ा पार कर गई। इसका असर यह हुआ कि 1970 के दशक में भारत सरकार और नीति निमार्ताओं ने इसे अत्याधिक आबादी की समस्या के तौर पर चिह्नित करना शुरू किया, जिनके लिए संसाधनों की कमी एक बड़ा मुद्दा बनता चला गया। उस समय सरकार का मानना था कि एक अपेक्षाकृत गरीब देश के लिए इतनी बड़ी आबादी का प्रबंधन करने के लिए संसाधन कम पड़ जाएंगे। इसके बाद भारत में जनसंख्या विस्फोट की चिंताएं और उसे नियंत्रित करने के प्रयास शुरू हो गए। जनसंख्या को नियंत्रित करने के लिए सरकार की ओर से कई बड़े कदम उठाए गए, जिनमें लोगों की जबरन नसबंदी करने का एक संक्षिप्त लेकिन बहुत ही विवादास्पद अभियान भी शामिल था। हम दो, हमारे दो जैसे जनसंख्या नियंत्रण अभियान के जरिए सरकार ने परिवार नियोजन का संदेश फैलाने की कोशिश शुरू कर दीं।

नेपाल का नया प्रतिबंध: आम के आयत पर लगा बैन

काठमांडू, 9 जून। नेपाल ने भारत से आमों के आयात पर प्रतिबंध लगा दिया है, क्योंकि इन फलों में अत्यधिक कीटनाशकों की मौजूदगी और सीमावर्ती क्षेत्रों में क्वारंटाइन सुविधाओं की कमी का आरोप लगाया गया है। नेपाल के अधिकारियों ने कहा कि सरकार ने उन आमों के आयात पर प्रतिबंध लगाया है, जिनमें अत्यधिक कीटनाशक पाए गए हैं और मुख्य रूप से मधेश प्रांत में सीमावर्ती क्षेत्रों में क्वारंटाइन सुविधाओं की कमी के कारण यह फैसला लिया है। मधेश प्रांत के भूमि प्रबंधन, कृषि और सहकारी मंत्रालय के सूचना अधिकारी अजय ग्यावाली ने कहा मधेश प्रांत के सिरहा, सपतारी और धनुषा जिले आमों के प्रमुख उत्पादक हैं। भारत से आमों के आयात पर प्रतिबंध ने नेपाली किसानों को प्रोत्साहित किया है, क्योंकि उन्हें इस मौसम में भारतीय फलों के साथ प्रतिस्पर्धा नहीं करनी पड़ेगी। हालांकि घरेलू उत्पादन पूरे नेपाल में आमों की मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं हो सकता। स्थानीय व्यापारियों के अनुसार, पूरे वर्ष आमों की मांग को पूरा करने के लिए भारत से आमों का आयात करना महत्वपूर्ण है, क्योंकि नेपाल के आमों का उत्पादन केवल दो महीनों तक सीमित है। जनकपुरधाम में फल और सब्जी व्यापारियों के संघ के महासचिव भुवनेश्वर पूर्वे ने कहा कि भारतीय आयात को रोकने से घरेलू बाजार में कमी आ सकती है।

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 982051985
बिल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37

* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकित्सा उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकित्सा सुविधा उपलब्ध

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg.
Near Diamond Talkies,
L. T. Road, Borivali (West)
Mumbai - 400 092
Maharashtra

ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW

SMART CLASSROOM
(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
Std. XI & XII (Sci.)
MHT-CET
NEET
Polytechnic & Engg
JEE (Main & Advance)
Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)
M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

विश्व नेत्रदान दिवस (10 जून, 2026) पर विशेष

नेत्रदान: अंधकार से प्रकाश की ओर सबसे बड़ा सेतु

-ललित गर्ग

मानव जीवन में आंखों का महत्व केवल देखने तक सीमित नहीं है, बल्कि वे हमारी चेतना, संवेदना, ज्ञान और जीवन के सौंदर्य का द्वार हैं। आंखों के माध्यम से ही हम प्रकृति की विविधता, परिवार का स्नेह, समाज की गतिविधियों और संसार की अनंत संभावनाओं का अनुभव करते हैं। इसलिए दृष्टि का अभाव केवल शारीरिक अक्षमता नहीं, बल्कि जीवन के अनेक आयामों से वंचित हो जाने की पीड़ा है। ऐसे में नेत्रदान एक चिकित्सकिय प्रक्रिया नहीं, बल्कि किसी अंधेरे जीवन में प्रकाश भरने वाला महान मानवीय और आध्यात्मिक उपक्रम है। प्रतिवर्ष 10 जून को मनाया जाने वाला द्यविश्व नेत्रदान दिवसद्द हमें यह स्मरण कराता है कि मृत्यु के बाद भी हमारा अस्तित्व किसी अन्य व्यक्ति के जीवन में रोशनी बनकर जीवित रह सकता है। यह दिवस केवल जागरूकता का अवसर नहीं, बल्कि मानवीय संवेदना, सामाजिक उत्तरदायित्व और परोपकार की संस्कृति को सशक्त करने का अभियान है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार दुनिया में करोड़ों लोग दृष्टिबाधिता और अंधता से प्रभावित हैं। भारत में भी लाखों लोग कॉर्निया संबंधी रोगों के कारण दृष्टि खो चुके हैं। विशेष चिंता की बात यह है कि कॉर्निया की खराबी से होने वाली अंधता के अनेक मामलों का उपचार संभव है, किंतु पर्याप्त नेत्रदान न होने के कारण लाखों मरीज वर्षों तक प्रतीक्षा सूची में बने रहते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार कॉर्निया प्रत्यारोपण चिकित्सा विज्ञान की सबसे सफल प्रत्यारोपण प्रक्रियाओं में से एक है, जिसकी सफलता दर 95 से 98 प्रतिशत तक मानी जाती है। इसके बावजूद देश में आवश्यकता की तुलना में उपलब्ध कॉर्निया की संख्या बहुत कम है। हर वर्ष लाखों लोगों को कॉर्निया की जरूरत होती है, लेकिन दान की संख्या अपेक्षाकृत बहुत कम रहती है। यह स्थिति बताती है कि समस्या चिकित्सा संसाधनों की नहीं, बल्कि जागरूकता और सामाजिक संकल्प की है।

भारतीय संस्कृति में दान को धर्म का आधार माना गया है। अन्नदान भूख मिटाता है, वस्त्रदान शरीर को ढंकता है, धनदान आर्थिक सहायता देता है, किंतु नेत्रदान किसी व्यक्ति को जीवन का नया अनुभव प्रदान करता है। इसीलिए इसे महादान या जीवनदान की श्रेणी में रखा गया है। जब कोई व्यक्ति मृत्यु के बाद अपनी आंखें दान करता है, तब वह केवल एक अंग नहीं देता, बल्कि किसी अंधे व्यक्ति को संसार देखने का अवसर प्रदान करता है। यह किसी बच्चे को शिक्षा का मार्ग, किसी युवा को रोजगार की संभावना और किसी वृद्ध को आत्मनिर्भरता की शक्ति देता है। यह दान ऐसा है जिसमें दाता को कोई हानि नहीं होती, लेकिन प्राप्तकर्ता का संपूर्ण जीवन बदल जाता है। भारतीय परंपरा में महर्षि दधीचि का उदाहरण त्याग और देहदान की सर्वोच्च मिसाल माना जाता है। उन्होंने लोककल्याण के लिए अपना शरीर समर्पित किया था। नेत्रदान उसी परंपरा की आधुनिक अभिव्यक्ति है। यह मृत्यु के बाद भी मानवता की सेवा का अवसर प्रदान करता है। वास्तव में नेत्रदान वह पुण्य है जिसमें दाता का शरीर समाप्त हो जाता है, किंतु उसकी दृष्टि किसी और के जीवन में प्रकाश बनकर जीवित रहती है।

आधुनिक चिकित्सा विज्ञान ने नेत्रदान की उपयोगिता को और अधिक व्यापक बना दिया है। पहले एक दाता की दोनों आंखों से केवल दो व्यक्तियों को लाभ मिलता था, किंतु नई तकनीकों के माध्यम से अब कॉर्निया के विभिन्न भागों का उपयोग करके अधिक लोगों की सहायता संभव हो रही है। आज एक नेत्रदान कई व्यक्तियों के जीवन में प्रकाश ला सकता है। महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि नेत्रदान के लिए किसी विशेष आयु की आवश्यकता नहीं होती। 80 या 90 वर्ष की आयु वाले व्यक्ति की आंखें भी उपयोगी हो सकती हैं। चश्मा पहनने वाले, मधुमेह या उच्च रक्तचाप से पीड़ित व्यक्ति भी अधिकांश स्थितियों में नेत्रदान कर सकते हैं। यह भ्रांति कि केवल पूर्णतः स्वस्थ व्यक्ति ही नेत्रदान कर सकते हैं, पूरी तरह गलत है। मृत्यु के बाद 4 से 6 घंटे के भीतर कॉर्निया सुरक्षित निकाला जाता है और पूरी प्रक्रिया अत्यंत सम्मानपूर्वक संपन्न होती है। इससे मृतक के चेहरे की बनावट में कोई विकृति नहीं आती और अंतिम संस्कार में कोई बाधा नहीं होती।

नेत्रदान को बढ़ावा देने में सबसे बड़ी बाधा सामाजिक मिथक और अंधविश्वास हैं। अनेक लोग मानते हैं कि नेत्रदान करने से मृत शरीर विकृत हो जाता है या अगले जन्म में आंखें नहीं मिलेंगी। कुछ लोग यह भी सोचते हैं कि वृद्ध व्यक्तियों अथवा चश्मा पहनने वालों की आंखें उपयोगी नहीं होतीं। चिकित्सा विज्ञान ने इन धारणाओं को पूरी तरह निराधार सिद्ध कर दिया है। आवश्यकता इस बात की है कि समाज वैज्ञानिक तथ्यों को स्वीकार करे और अंधविश्वासों से मुक्त होकर मानवता के इस महान अभियान से जुड़े। नेत्रहीनता केवल व्यक्तिगत समस्या नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक चुनौती भी है। दृष्टिबाधिता व्यक्ति की शिक्षा, रोजगार और आत्मनिर्भरता को प्रभावित करती है। इससे परिवार पर आर्थिक बोझ बढ़ता है और समाज की उत्पादक क्षमता भी घटती है। विभिन्न अध्ययनों से स्पष्ट हुआ है कि दृष्टिबाधिता के कारण देश को प्रतिवर्ष अरबों रुपये की आर्थिक क्षति होती है। यदि कॉर्निया अंधता से पीड़ित लोगों को समय पर प्रत्यारोपण उपलब्ध हो जाए, तो वे पुनः शिक्षा, रोजगार और सामाजिक जीवन में सक्रिय भागीदारी कर सकते हैं। इस प्रकार नेत्रदान केवल मानवीय सेवा नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का भी माध्यम है।

सभी प्रमुख धर्म मानव सेवा को सर्वोच्च धर्म मानते हैं। किसी भी धर्मग्रंथ में नेत्रदान या अंगदान का निषेध नहीं है। इसके विपरीत, परोपकार, दया और करुणा को आध्यात्मिक उन्नति का आधार बताया गया है। जब कोई व्यक्ति मृत्यु के बाद अपने नेत्र दान करता है, तो वह यह संदेश देता है कि जीवन केवल अपने लिए नहीं, बल्कि दूसरों के लिए भी जिया जाना चाहिए। यह भावना व्यक्ति को संकीर्ण स्वार्थ से ऊपर उठाकर व्यापक मानवता से जोड़ती है। वास्तव में नेत्रदान ईश्वर की सृष्टि के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का एक श्रेष्ठ माध्यम है। आज आवश्यकता है कि नेत्रदान को केवल एक स्वास्थ्य कार्यक्रम न मानकर सामाजिक एवं नैतिक आंदोलन के रूप में देखा जाए। परिवारों में इस विषय पर खुलकर चर्चा हो, युवाओं को इसके प्रति प्रेरित किया जाए और प्रत्येक नागरिक मृत्यु के उपरांत नेत्रदान का संकल्प ले। यदि समाज का एक बड़ा वर्ग इस दिशा में आगे आता है तो देश में कॉर्निया अंधता की समस्या को काफी हद तक समाप्त किया जा सकता है। नेत्रदान को जन-आंदोलन बनाने में विभिन्न सामाजिक संगठनों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। विशेष रूप से लायन्स क्लब नई दिल्ली अलकनंदा तथा लायन्स इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 321 ए-1 ने इस क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया है। विगत कई दशकों से इन संस्थाओं द्वारा नेत्रदान जागरूकता अभियान, नेत्रदान संकल्प-पत्र भरवाने, नेत्र चिकित्सा शिविरों के आयोजन तथा आई बैंकों के साथ समन्वय स्थापित करने जैसे अनेक रचनात्मक कार्य किए जा रहे हैं। लायन्स इंटरनेशनल का वैश्विक सेवा अभियान साइट फर्स्ट दृष्टि संरक्षण एवं अंधत्व निवारण की दिशा में विश्व का सबसे बड़ा स्वैच्छिक कार्यक्रम माना जाता है। इस अभियान के माध्यम से लाखों लोगों को नेत्र चिकित्सा सेवाएं, मोतियाबिंद ऑपरेशन, दृष्टि परीक्षण तथा नेत्रदान के प्रति जागरूकता प्रदान की गई है। लायन्स क्लब नई दिल्ली अलकनंदा भी इसी भावना के साथ निरंतर समाज में यह संदेश प्रसारित कर रहा है कि मृत्यु के बाद नेत्रदान करके हम किसी अंधेरी जिंदगी में स्थायी उजाला भर सकते हैं। यह सेवा केवल सामाजिक कार्य नहीं, बल्कि करुणा, संवेदना और मानवता का जीवंत उदाहरण है।

नेत्रदान मृत्यु के बाद जीवन की निरंतरता का सबसे सुंदर प्रतीक है। यह वह दान है जो किसी अंधे व्यक्ति के जीवन में केवल प्रकाश ही नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, सम्मान, अवसर और नई आशा भी लाता है। यह दिव्यता, करुणा और आध्यात्मिकता का अद्भुत संगम है। विश्व नेत्रदान दिवस हमें यह संदेश देता है कि मनुष्य का वास्तविक मूल्य उसके संचित धन में नहीं, बल्कि उसके द्वारा किए गए लोककल्याण में है। यदि हमारी मृत्यु के बाद हमारी आंखें किसी की दुनिया रोशन कर सकती हैं, तो इससे बड़ा पुण्य, इससे बड़ी सेवा और इससे बड़ी मानवता की साधना शायद कोई नहीं हो सकती। आइए, हम संकल्प लें कि जीवन की अंतिम यात्रा के बाद भी हमारी आंखें किसी और के सपनों को देखने का माध्यम बनें। हमारा नेत्रदान किसी अंधेरी जिंदगी में सूर्योदय बनकर उभरे, यही विश्व नेत्रदान दिवस की सार्थकता है, यही सच्चा धर्म है और यही मानवता का उज्ज्वल भविष्य है।

अपने अस्तित्व पर आया खतरा तो ममता को याद आया इंडिया गठबंधन

अशोक भाटिया

साल 2024 के लोकसभा चुनावों के बाद और हालिया विधानसभा चुनावों में करारी शिकस्त झेलने के बाद, करीब एक साल बाद पूरा विपक्ष एक मेज पर आया है लेकिन इस बैठक की टाइमिंग और इसके पीछे का राजनीतिक तनाव बेहद गहरा है। यह बैठक एकजुटता दिखाने से ज्यादा, गठबंधन के भीतर सुलग रही अंदरूनी बगावत, राज्यों में खोई जमीन और 2029 की चुनावी गोटियां सेट करने की एक हताश कोशिश है। हाल ही आए पांच राज्यों के चुनावी नतीजों ने विपक्ष को एकजुट होने के लिए मजबूर कर दिया है। राजनीतिक समीकरण कुछ यूं बदला है कि, जो ममता बनर्जी 2024 से पहले इंडिया गठबंधन में कांग्रेस नेतृत्व के खिलाफ बागी तेवर दिखा रही थीं। अब वहीं ममता कांग्रेस के पीछे खड़ी नजर आ रही है जबकि जो डी एम के कांग्रेस के साथ खड़ी थी अब बागी हो चुकी है, ऐसे में सवाल ये है कि आखिर विपक्ष इस बार किन मुद्दों पर एकजुट होगा और कैसे ? डी एम के का बागी होना इंडिया गठबंधन के लिए कितना घातक साबित होगा ?

दरअसल 'इंडिया गठबंधन' ममता बनर्जी का एक ऐसा महत्वाकांक्षी राजनीतिक ख्वाब था, जो अधूरा ही रह गया। उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा के खिलाफ विपक्षी एकजुटता की वकालत करते हुए इस मोर्चे के गठन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, लेकिन उनकी यह रणनीति बंगाल में कांग्रेस और वाम दलों के साथ मतभेदों के चलते धरातल पर नहीं उतर सकी।

गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में हार के बाद फाल्टा री-पोलिंग में टीएमसी प्रत्याशी का जमानत जब्त होने और पार्टी में लगातार बगावत झेल रहीं ममता बनर्जी को इंडिया गठबंधन की याद आई है। टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी ने रविवार को एक फेसबुक लाइव में विपक्षी गठबंधन इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस को याद किया। ममता ने कहा कि इंडिया गठबंधन के लोग जून के पहले सप्ताह में एक बार फिर से मिलेंगे। साथ ही उन्होंने दावा किया कि इंडिया गठबंधन की बैठक में एक संयुक्त रणनीति पर चर्चा हो सकती है। यह भी कहा कि विपक्षी खेमा एक लंबी राजनीतिक लड़ाई के लिए तैयार है। ममता बनर्जी को विपक्षी एकता की याद आना हास्यास्पद विषय प्रतीत होता है,

मोदी विरोधी विपक्षी इंडिया गठबंधन को ताकत देने के उद्देश्य से उसकी बैठक में शामिल हुईं ममता बनर्जी को तब एक और बड़ा झटका लगा जब इंडिया गठबंधन की बैठक के समानांतर तृणमूल कांग्रेस के 20 सांसदों ने अलग से बैठक कर टीएमसी से अलग होने और नया गुट बनाने का फैसला कर लिया। यही नहीं, टीएमसी के कई सांसदों ने केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव से भी मुलाकात की और इस दौरान पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी भी उपस्थित रहे। इन घटनाक्रमों ने राष्ट्रीय राजनीति में भारी हलचल पैदा कर दी है और ममता बनर्जी के नेतृत्व पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

इस मिलन के पहले 2024 के लोकसभा चुनाव से करीब एक साल पहले बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बीजपी से अलग होकर इंडिया गठबंधन बनाने की शुरूआत की थी । नीतीश कुमार खुद सभी राज्यों में गए और विपक्षी नेताओं को एकजुट करने की कोशिश की। इसी प्रयास से 23 जून 2023 पटना में करीब 15-16 विपक्षी दलों का जुटान हुआ। इसके बाद 17 और 18 जुलाई 2023 को बेंगलुरु में दूसरी बैठक हुई, जिसमें राहुल गांधी ने इसको औपचारिक नाम इंडिया गठबंधन दिया। इसी बैठक में नीतीश कुमार को संयोजक बनाए जाने की बात हो रही थी, लेकिन ममता बनर्जी बैठक पूरी तरह खत्म होने के पहले ही बेंगलुरु से कोलकाता की फ्लाइट पकड़ लीं। इसके बाद 31 अगस्त और 1 सितंबर 2023 को मुंबई में हुई बैठक में इंडिया गठबंधन के लिए 14 सदस्यीय केंद्रीय समन्वय समिति बनी, लेकिन ममता बनर्जी के अड़ंगे की वजह से एक बार फिर नीतीश कुमार को संयोजक नहीं बनाया गया। माना जाता है कि तभी से नीतीश कुमार नाराज हो गए और उन्होंने विपक्षी एकता को छोड़कर एक बार फिर से एनडीए में आने का फैसला ले लिया था। इससे विपक्षी एकता के प्रयास को जबरदस्त झटका लगा, क्योंकि जिस नेता ने इंडिया गठबंधन के कॉन्सेप्ट की शुरूआत की थी वही छोड़कर भाग गए।

नीतीश कुमार के अलग होने के बाद राहुल गांधी आगे बढ़कर इंडिया गठबंधन को बनाए रखने की कोशिश में जुटे। लेकिन यहां भी ममता बनर्जी ने अपनी हनक दिखाई। 2024 के लोकसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस पार्टी ने टीएमसी के साथ गठबंधन करने के लिए हर संभव कोशिश की। मीडिया में खबर यहां तक आई कि राहुल गांधी केवल लोकसभा में पूर्व नेता प्रतिपक्ष अधीर रंजन चौधरी के लिए केवल बहरामपुर सीट पर भी टीएमसी से गठबंधन को तैयार थे, लेकिन सत्ता की हनक में ममता बनर्जी कहां सुनने वाली थीं। उन्होंने लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को एक भी सीट देने से मना कर इंडिया गठबंधन की एकता को तिलांजलि देती दिखीं। यहां तक कि उन्होंने कांग्रेस के अधीर रंजन चौधरी को बहरामपुर से हराने के लिए क्रिकेटर यूसूफ पठान को उतारकर साफ संदेश दे दिया कि वह कांग्रेस को कतई तवज्जो देने वाली नहीं हैं। इतना ही नहीं, ममता ने यह तक कहा- राहुल गांधी विपक्ष का चेहरा बने रहे तो नरेंद्र मोदी को कोई नहीं हरा सकता। जबकि 2026 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी के सामने बुरी हार होने के बाद धैर्य बनाए रखने की अपील करते हुए सबसे पहला फोन कॉल राहुल गांधी ने ही उन्हें किया था।

इसके अलावा इंडिया गठबंधन की पहली बैठक से ही वामदल हमेशा साथ नजर आए। समय काल परिस्थिति को समझते हुए कांग्रेस ने कई बार प्रयास किया कि ममता बनर्जी वामदलों को साथ लेने पर हामी भरें, लेकिन वह कभी भी तैयार नहीं हुईं। राजनीति के जानकारों ने कहा कि जिस तरह से बिहार में लालू-नीतीश साथ आए, यूपी में 2019 के लोकसभा चुनाव में सपा-बसपा साथ आने की हिम्मत जुटाई, उसी तरह ममता बनर्जी अगर बंगाल में वामदलों और कांग्रेस को साथ लेकर चलती हैं तो शायद इंडिया गठबंधन आज कुछ ज्यादा ही मजबूत नजर आता। लेकिन तमाम प्रयासों के बावजूद ममता बनर्जी ने पश्चिम बंगाल के अंदर इंडिया गठबंधन के किसी भी घटक दल को साथ लेकर चलने को तैयार नहीं हुईं।

इतना नहीं, 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले और उसके बाद भी कई मौकों पर ममता बनर्जी इंडिया गठबंधन के अंदर ही अपने हिसाब का गठबंधन बनाती दिखीं। ममता बनर्जी इंडिया गठबंधन के नेताओं अरविंद केजरीवाल, अखिलेश यादव, तेजस्वी यादव के साथ अलग ही एकजुटता दिखाने की कोशिश करती दिखीं। वह ऐसा मैसेज देने की कोशिश करती देखीं गईं कि वह देश में कांग्रेस के बिना कोई नया गठबंधन बनाना चाहती हैं।

गौर करें कि जब 2023 में इंडिया गठबंधन की नींव रखी गई थी तब इसके कई नेता सत्ता में थे। खुद ममता बनर्जी पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री थीं। तमिलनाडु में एमके स्टालिन, दिल्ली में अरविंद केजरीवाल और पंजाब में भगवंत मान, झारखंड में हेमंत सोरेन, बिहार में नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव मिलकर सरकार चला रहे थे। केरल में वामदलों की तरफ से पिनाराई विजयन मुख्यमंत्री की कुर्सी संभाल रहे थे। कांग्रेस भी कर्नाटक, तेलंगाना और हिमाचल में अपने बूते की सरकार चला रही थी। ममता बनर्जी की जिद्द के चलते 2024 के लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन उतना एकजुट नहीं रह पाया, जितने की उम्मीद की जा रही थी। आज आलम है कि इंडिया गठबंधन के जितने बड़े नेता हैं वह सभी सत्ता से बाहर हैं। केवल हेमंत सोरेन झारखंड जैसे छोटे राज्य में सत्ता चला रहे हैं और कांग्रेस की कुछ एक राज्यों में सरकारें हैं।

आज ममता बनर्जी ना केवल खुद सत्ता से बाहर हो गईं हैं, बल्कि उनकी पार्टी के अस्तित्व का खतरा मंडराता दिख रहा है। 15 साल से सत्ता पर काबिज रहीं ममता बनर्जी भवानीपुर विधानसभा सीट पर 265 में से 200 बूथों पर सुवेंदु अधिकारी से पीछे रहीं। फाल्टा री-पोलिंग में उनकी पार्टी का उम्मीदवार वोटिंग से पहले ही चुनाव से हट गया। मोदी विरोधी विपक्षी इंडिया गठबंधन को ताकत देने के उद्देश्य से उसकी बैठक में शामिल हुईं ममता बनर्जी को तब एक और बड़ा झटका लगा जब इंडिया गठबंधन की बैठक के समानांतर तृणमूल कांग्रेस के 20 सांसदों ने अलग से बैठक कर टीएमसी से अलग होने और नया गुट बनाने का फैसला कर लिया। यही नहीं, टीएमसी के कई सांसदों ने केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव से भी मुलाकात की और इस दौरान पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी भी उपस्थित रहे। इन घटनाक्रमों ने राष्ट्रीय राजनीति में भारी हलचल पैदा कर दी है और ममता बनर्जी के नेतृत्व पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। उसके पूर्व 80 में से 60 सदस्य अपना गुट बना चुके है ।

अब बात करें इस बैठक कि तो इसका एक दूसरा पहलू भी जिस पर ध्यान देना जरुरी है ।इसी बैठक से एक ऐसी तस्वीर सामने आई, जिसने न केवल सुर्खियां बटोरीं बल्कि सोशल मीडिया पर भी छा गई। यह तस्वीर थी कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद सोनिया गांधी तथा पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की। वायरल तस्वीर में सोनिया गांधी ममता बनर्जी को गले लगाती हुई दिखाई दे रही हैं। ममता ने भी मुस्कुराते हुए उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। पश्चिम बंगाल में करारी हार के बाद दोनों नेताओं की यह पहली मुलाकात थी। सोशल मीडिया के अनुसार जब दो कमजोर लोग दुश्मनी के बाद वापस गले मिलते है तो उसके कई अर्थ निकले जाते है।

अब सवाल उठने लगे हैं कि क्या पश्चिम बंगाल के बाद ममता बनर्जी के लिए दिल्ली की राजनीति भी मुश्किल होती जा रही है? विधानसभा चुनाव 2026 में मिली हार के बाद पार्टी में मची उठापटक के बीच तृणमूल कांग्रेस के बीच भगदड़ मची हुई है । ममता के बागियों के बारे में चर्चा के बाद अब लौट आते है उस मूल सवाल पर की क्या ममता बनर्जी वापस कांग्रेस का रुख करेंगी? क्या TMC का कांग्रेस में विलय होगा? तृणमूल कांग्रेस के गहरे दबाव में होने की कई बड़ी वजहें हैं। सत्ता हाथ से जाते ही बंगाल में वर्षों से जारी वर्चस्व और कथित अराजकता का जो माहौल था,उसकी प्रतिक्रिया अब जमीन पर दिखने लगी है। टीएमसी के दूसरे सबसे बड़े नेता अभिषेक बनर्जी तक पर हमले की घटनाएं हो चुकी हैं। सत्ता का संरक्षण हटते ही पार्टी में भगदड़ की स्थिति है। तृणमूल के तमाम सांसद, विधायक और जमीनी नेता लगातार कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व के संपर्क में बने हुए हैं। अभिषेक बनर्जी के पुराने कार्यबल और रवैये को लेकर पार्टी में जो असंतोष था,वह अब खुलकर सतह पर आने लगा है। ममता यह भली-भांति जानती हैं कि केंद्रीय सत्ता के पूर्ण प्रभाव के सामने प्रादेशिक छत्रप के तौर पर अकेले टिक पाना नामुमकिन है।

परमाणु हथियारों की दौड़ में भारत और पाकिस्तान

- महेन्द्र तिवारी

स्टॉकहोम स्थित अंतरराष्ट्रीय शोध संस्था सिपरी की वर्ष 2026 की रिपोर्ट ने दक्षिण एशिया की सामरिक राजनीति को लेकर एक नई बहस छेड़ दी है। रिपोर्ट के अनुसार जनवरी 2026 तक भारत के पास लगभग 190 परमाणु वॉरहेड्स हैं, जबकि पाकिस्तान के पास यह संख्या लगभग 170 बताई गई है। इस प्रकार भारत अब पाकिस्तान से लगभग 20 परमाणु हथियार आगे निकल चुका है। यह केवल आंकड़ों का अंतर नहीं है, बल्कि यह दक्षिण एशिया की सुरक्षा नीति, सैन्य संतुलन और भविष्य की रणनीतिक दिशा को भी दशार्ता है। पिछले कुछ वर्षों में भारत ने अपनी परमाणु नीति को केवल प्रतिरोध क्षमता तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उसे आधुनिक तकनीक और दीर्घकालिक सुरक्षा रणनीति से भी जोड़ा है। भारत लगातार अपनी मिसाइल प्रणाली, समुद्री सुरक्षा और लंबी दूरी तक मार करने वाली तकनीकों को मजबूत कर रहा है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि भारत अब केवल परमाणु हथियारों की संख्या नहीं बढ़ा रहा, बल्कि उनकी गुणवत्ता और त्वरित उपयोग क्षमता पर भी विशेष ध्यान दे रहा है। यही कारण है कि भारत को अब केवल क्षेत्रीय शक्ति नहीं बल्कि वैश्विक रणनीतिक शक्ति के रूप में देखा जाने लगा है।

भारत की परमाणु नीति की सबसे बड़ी विशेषता उसकी संतुलित और नियंत्रित रणनीति मानी जाती है। भारत ने लंबे समय से ॅपहले प्रयोग नहींॅ की नीति अपनाई हुई है। इसका अर्थ यह है कि भारत किसी भी देश पर पहले परमाणु हमला नहीं करेगा, लेकिन यदि उस पर परमाणु हमला होता है तो वह पूरी क्षमता के साथ जवाब देगा। इस नीति ने भारत को एक जिम्मेदार परमाणु शक्ति की छवि प्रदान की है। दूसरी ओर पाकिस्तान ने ऐसी कोई स्पष्ट नीति घोषित नहीं की है। पाकिस्तान की रणनीति मुख्य रूप से सामरिक परमाणु हथियारों और त्वरित प्रतिक्रिया पर आधारित रही है। यही कारण है कि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की परमाणु नीति को अपेक्षाकृत अधिक स्थिर और जिम्मेदार माना जाता है। सिपरी रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया है कि भारत अब अपनी परमाणु क्षमता को तीनों आयामों में मजबूत कर चुका है। इसे परमाणु त्रिस्तरीय क्षमता कहा जाता है। इसका अर्थ है कि भारत भूमि, आकाश और समुद्र तीनों माध्यमों से परमाणु हमला करने की क्षमता रखता है। भारत के पास अग्नि श्रृंखला की बैलिस्टिक मिसाइलें हैं, वायुसेना के लड़ाकू विमान हैं और साथ ही परमाणु क्षमता से लैस पनडुब्बियां भी हैं। इस त्रिस्तरीय क्षमता से भारत की प्रतिरोध शक्ति कई गुना बढ़ जाती है क्योंकि किसी भी दुश्मन के लिए उसकी पूरी परमाणु क्षमता को एक साथ निष्क्रिय करना लगभग असंभव हो जाता है।

भारत ने हाल के वर्षों में अग्नि 5 जैसी लंबी दूरी की मिसाइलों पर विशेष ध्यान दिया है। इन मिसाइलों की क्षमता हजारों किलोमीटर दूर तक लक्ष्य को भेदने की है। इसके अलावा भारत ने बहु लक्ष्य प्रहार तकनीक पर भी कार्य किया है, जिसमें एक ही मिसाइल कई लक्ष्यों को एक साथ निशाना बना सकती है। इसे आधुनिक परमाणु युद्ध रणनीति में बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। रिपोर्टों के अनुसार भारत कैनिस्टर आधारित मिसाइल प्रणाली और समुद्र आधारित प्रतिरोध क्षमता को भी लगातार मजबूत कर रहा है। इससे हथियारों की सुरक्षा और त्वरित तैनाती दोनों संभव हो जाती हैं। सिपरी ने अपनी रिपोर्ट में यह भी संकेत दिया है कि भारत अब कुछ परमाणु वॉरहेड्स को तैनात स्थिति में रखने लगा है। अनुमान है कि लगभग 12 वॉरहेड्स ऐसी स्थिति में हैं जिन्हें कम समय में उपयोग किया जा सकता है। पहले भारत आमतौर पर वॉरहेड्स और मिसाइलों को अलग रखता था, ताकि आकस्मिक संघर्ष की संभावना कम रहे। लेकिन बदलते अंतरराष्ट्रीय माहौल और क्षेत्रीय सुरक्षा चुनौतियों ने भारत को अपनी रणनीति में कुछ परिवर्तन करने के लिए प्रेरित किया है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह बदलाव मुख्य रूप से चीन और पाकिस्तान दोनों की बढ़ती सैन्य गतिविधियों के कारण हुआ है।

पाकिस्तान की स्थिति भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। भले ही उसके पास भारत से कम परमाणु हथियार हैं, लेकिन वह लगातार विखंडनीय सामग्री जमा कर रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि यदि यही गति जारी रही तो अगले दशक में पाकिस्तान अपने परमाणु भंडार में उल्लेखनीय वृद्धि कर सकता है। पाकिस्तान लंबे समय से छोटी दूरी के सामरिक परमाणु हथियारों के विकास पर जोर देता रहा है। उसका उद्देश्य भारत की पारंपरिक सैन्य श्रेष्ठता का मुकाबला करना है। पाकिस्तान की सैन्य नीति में परमाणु हथियार केवल अंतिम विकल्प नहीं बल्कि सामरिक संतुलन का साधन भी माने जाते हैं।

भारत और पाकिस्तान के बीच परमाणु प्रतिस्पर्धा नई नहीं है। वर्ष 1998 में दोनों देशों ने परमाणु परीक्षण किए थे, जिसके बाद दक्षिण एशिया औपचारिक रूप से परमाणु शक्ति संपन्न क्षेत्र बन गया। तब से दोनों देशों ने अपनी क्षमता में लगातार विस्तार किया है। हालांकि अंतर यह है कि भारत ने अपनी परमाणु नीति को वैश्विक रणनीतिक शक्ति बनने की दिशा में विकसित किया, जबकि पाकिस्तान की नीति मुख्य रूप से भारत केंद्रित रही। यही कारण है कि भारत अब केवल पाकिस्तान को ध्यान में रखकर नहीं बल्कि चीन जैसी बड़ी शक्तियों को भी ध्यान में रखकर अपनी रणनीति बना रहा है। चीन का बढ़ता परमाणु भंडार भी भारत की रणनीति को प्रभावित कर रहा है। सिपरी ने कहा है कि चीन दुनिया में सबसे तेजी से अपने परमाणु हथियार बढ़ाने वाले देशों में शामिल है। चीन की बढ़ती सैन्य शक्ति और हिंद महासागर क्षेत्र में उसकी सक्रियता ने भारत को अपनी सुरक्षा नीति पर पुनर्विचार करने के लिए मजबूर किया है। यही कारण है कि भारत केवल संख्या बढ़ाने पर नहीं बल्कि तकनीकी श्रेष्ठता पर भी ध्यान दे रहा है। भारत की नई मिसाइल प्रणाली, आधुनिक पनडुब्बियां और अंतरिक्ष आधारित निगरानी क्षमता इसी दिशा में उठाए गए कदम हैं।

वैश्विक स्तर पर भी परमाणु हथियारों को लेकर चिंता बढ़ती जा रही है। सिपरी की रिपोर्ट के अनुसार दुनिया में परमाणु हथियारों को कम करने के प्रयास कमजोर पड़ रहे हैं। अमेरिका, रूस, चीन, भारत और पाकिस्तान सहित कई देश अपने परमाणु शस्त्रागार का आधुनिकीकरण कर रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि परमाणु हथियार अब केवल प्रतिरोध का साधन नहीं रह गए हैं, बल्कि उन्हें राष्ट्रीय शक्ति और राजनीतिक प्रभाव के प्रतीक के रूप में भी देखा जाने लगा है। यह स्थिति दुनिया को एक नए परमाणु युग की ओर ले जा सकती है।

विशेषज्ञों का मानना है कि परमाणु हथियारों की बढ़ती संख्या केवल सैन्य शक्ति का संकेत नहीं बल्कि वैश्विक असुरक्षा का भी प्रतीक है। जब देश अपनी सुरक्षा के लिए अधिकाधिक परमाणु हथियारों पर निर्भर होने लगते हैं तो युद्ध का खतरा और भी गंभीर हो जाता है। किसी भी छोटी गलती, तकनीकी खराबी या राजनीतिक तनाव का परिणाम विनाशकारी हो सकता है। दक्षिण एशिया जैसे क्षेत्र में जहां पहले भी कई बार तनाव और सैन्य संघर्ष हो चुके हैं, वहां परमाणु प्रतिस्पर्धा विशेष चिंता का विषय बन जाती है।

भारत के लिए चुनौती केवल हथियार बढ़ाने की नहीं बल्कि संतुलन बनाए रखने की भी है। भारत को एक ओर अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करनी है तो दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय मंचों पर जिम्मेदार शक्ति की छवि भी बनाए रखनी है। यही कारण है कि भारत लगातार परमाणु निरस्त्रीकरण की वकालत भी करता रहा है। भारत ने हमेशा यह कहा है कि दुनिया को अंततः परमाणु हथियारों से मुक्त होना चाहिए, लेकिन जब तक अन्य देशों के पास ये हथियार हैं तब तक अपनी सुरक्षा से समझौता नहीं किया जा सकता। भारत की परमाणु क्षमता में वृद्धि को केवल सैन्य उपलब्धि के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। यह भारत की वैज्ञानिक प्रगति, तकनीकी आत्मनिर्भरता और रणनीतिक सोच का भी परिणाम है। रक्षा अनुसंधान, अंतरिक्ष तकनीक, मिसाइल विकास और नौसैनिक क्षमता में भारत ने पिछले वर्षों में उल्लेखनीय प्रगति की है। यही कारण है कि आज भारत को विश्व की प्रमुख सैन्य शक्तियों में गिना जाता है। सिपरी की 2026 रिपोर्ट ने यह स्पष्ट कर दिया है कि दक्षिण एशिया का सामरिक संतुलन तेजी से बदल रहा है। भारत अब पाकिस्तान से आगे निकल चुका है और अपनी दीर्घकालिक रणनीतिक क्षमता को मजबूत कर रहा है। हालांकि यह बढ़त केवल संख्या की नहीं बल्कि तकनीकी, संरचनात्मक और रणनीतिक भी है। आने वाले वर्षों में यह प्रतिस्पर्धा और तेज हो सकती है, विशेषकर तब जब चीन, पाकिस्तान और अन्य वैश्विक शक्तियां अपने परमाणु कार्यक्रमों का विस्तार जारी रखें। ऐसे समय में दुनिया के सामने सबसे बड़ी चुनौती यही होगी कि सुरक्षा और शक्ति की इस दौड़ को विनाशकारी संघर्ष में बदलने से कैसे रोका जाए।

राज्यसभा में 2/3 बहुमत से मोदी सरकार को असीम शक्तियां!

-संजय सक्सेना

भारतीय राजनीति में 18 जून 2026 की तारीख एक निर्णायक मोड़ साबित हो सकती है। देश के 12 राज्यों में राज्यसभा की 26 सीटों पर होने वाले चुनाव केवल सांख्यिकीय फेरबदल नहीं हैं, बल्कि ये उस संवैधानिक भविष्य की नींव रख सकते हैं जिसे भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन वर्षों से आकार देने की कोशिश कर रहा है। इन चुनावों के बाद राज्यसभा में एनडीए का आंकड़ा 150 के पार पहुंचने की उम्मीद है, जो उसे दो-तिहाई बहुमत के और करीब ले जाएगा।राज्यसभा में दो तिहाई बहुमत का अर्थ केवल संख्या बल नहीं है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 368 में यह साफ किया गया है कि किसी भी संविधान संशोधन को संसद के दोनों सदनों लोकसभा और राज्यसभा में विशेष बहुमत से पारित होना अनिवार्य है। इस विशेष बहुमत का मतलब उपस्थित और मतदान करने वाले सदस्यों के दो-तिहाई समर्थन से होता है। यही वह कुंजी है जो संविधान के उन दरवाजों को खोल सकती है जो अब तक बंद थे। महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण का मामला सबसे पहले और सबसे अधिक चर्चित है। संविधान के 130वें संशोधन विधेयक को लोकसभा से संयुक्त संसदीय समिति को भेजे जाने की संस्तुति मिलने के बाद गृह मंत्री अमित शाह ने राज्यसभा में इस बिल को सभा पटल के सामने रखा था, लेकिन सरकार के पास संवैधानिक संशोधन को पास कराने के लिए दो तिहाई बहुमत नहीं था। अप्रैल 2026 में संसद के विशेष सत्र में लोकसभा में महिला आरक्षण से जुड़े संविधान संशोधन बिल पर चर्चा हुई, लेकिन इसे पारित कराने के लिए दो तिहाई बहुमत की जरूरत थी, जो सरकार को नहीं मिल सकी। अब यदि 18 जून के बाद राज्यसभा में बहुमत का गणित बदलता है तो यह विधेयक मानसून सत्र में फिर से जीवित हो सकता है। इससे जुड़े संविधान संशोधन विधेयक को मानसून सत्र में फिर से पेश करने के लिए भाजपा की योजना 18 जून को राज्यसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद द्रमुक समेत कुछ अन्य ऐसे विपक्षी दलों को साधने की है। भाजपा को तीन कारणों से संविधान संशोधन विधेयक पर आगे बढ़ने का हौसला मिला है। पहला, राज्यसभा में बहुमत के करीब पहुंचना; दूसरा, तृणमूल कांग्रेस के संसदीय दल में टूट की संभावना; और तीसरा, द्रमुक और भाजपा के बीच बढ़ती करीबी।महिला आरक्षण के साथ ही परिसीमन का मुद्दा भी गहराई से जुड़ा हुआ है। वर्तमान में लोकसभा में 543 सीटें हैं, जो 1977 के बाद से स्थिर हैं। इंदिरा सरकार ने परिसीमन लाकर सीटें 525 से बढ़ाकर 543 कर इसे फ्रीज कर दिया था। अब जनसंख्या के अनुपात में लोकसभा की सीटें बढ़ाने और उनमें महिलाओं के लिए आरक्षण तय करने के लिए एक साथ संविधान संशोधन जरूरी है। दक्षिण भारतीय राज्यों को चिंता है कि नई सीटों का बंटवारा उत्तर भारत के पक्ष में होगा क्योंकि वहां जनसंख्या अधिक है। इसीलिए पीएम मोदी को यह आश्वासन देना पड़ा कि परिसीमन में किसी राज्य के साथ भेदभाव नहीं होगा। समान नागरिक संहिता भाजपा के घोषणापत्र का वह वादा है जो दशकों से लंबित है। उत्तराखंड इसे लागू करने वाला पहला राज्य बन चुका है। केंद्र में समान नागरिक संहिता लागू करने के लिए संविधान में संशोधन अनिवार्य नहीं है, लेकिन इसके कुछ पहलू जैसे मुस्लिम व्यक्तिगत कानून को प्रभावित करने वाले प्रावधान विधायी और सांख्यिकीय दृष्टि से संवेदनशील हैं। राज्यसभा में मजबूत बहुमत मिलने के बाद सरकार के लिए इस दिशा में आगे बढ़ना राजनीतिक रूप से कहीं आसान हो जाएगा। न्यायपालिका की नियुक्ति प्रक्रिया भी एक ऐसा क्षेत्र है जहां मोदी सरकार लंबे समय से बदलाव चाहती है। राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग को सर्वोच्च न्यायालय ने 2015 में असंवैधानिक करार दे दिया था। सरकार और न्यायपालिका के बीच न्यायाधीशों की नियुक्ति में कार्यपालिका की भूमिका को लेकर वर्षों से टकराव चल रहा है। राज्यसभा में दो तिहाई बहुमत के बाद सरकार एक बार फिर इस दिशा में संविधान संशोधन लाने का साहस जुटा सकती है। अनुच्छेद 356 अर्थात राष्ट्रपति शासन की शर्तों को लेकर भी समय-समय पर संशोधन की मांग उठती रही है। इसी प्रकार संपत्ति के अधिकार, भूमि अधिग्रहण कानून और अनुच्छेद 31 से जुड़े पुराने विवाद हैं, जिन पर सरकार नए सिरे से नीति बना सकती है। आर्थिक नीतियों को अधिक लचीला बनाने के लिए संविधान की नौवीं अनुसूची में संशोधन भी एक विकल्प है, जिसमें कानूनों को न्यायिक समीक्षा से बाहर रखा जाता है।

हालांकि यह समझना जरूरी है कि राज्यसभा में दो तिहाई बहुमत अकेले पर्याप्त नहीं है। किसी भी संविधान संशोधन को लोकसभा और राज्यसभा दोनों में विशेष बहुमत से पारित होना अनिवार्य है। लोकसभा में विधेयक पारित कराने के लिए समाजवादी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस या द्रमुक में से कम से कम दो मुख्य विपक्षी दलों को मतदान से अनुपस्थित रहना होगा। कुछ संवेदनशील संशोधनों के लिए राज्य विधानसभाओं के अनुमोदन की भी जरूरत होती है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि 18 जून के चुनाव परिणाम केवल राज्यसभा की सीटों का हिसाब-किताब नहीं करेंगे, बल्कि भारत के संवैधानिक भविष्य की दिशा भी तय करेंगे। यदि एनडीए दो तिहाई बहुमत के करीब पहुंच गया और साथ ही कुछ विपक्षी दलों का सहयोग मिल गया, तो ऐसे संशोधन, जो वर्षों से राजनीतिक बहस का हिस्सा थे, कानूनी हकीकत बन सकते हैं। यही कारण है कि विपक्षी दल इन चुनावों को असाधारण महत्व दे रहे हैं और हर वोट को बचाने की पूरी कोशिश में जुटे हैं।

एशियन पैरा गेम्स के लिए चयनित आदिल अंसारी का रईस हाई स्कूल में किया गया भव्य सम्मान

भिवंडी। एशियन पैरा गेम्स 2026 के लिए चयनित भिवंडी के प्रतिभाशाली पैरा आर्चर आदिल अंसारी का रईस हाई स्कूल एंड जूनियर कालेज में भव्य स्वागत एवं सत्कार किया गया। संस्था के प्रधानाचार्य जियाउर्रहमान अंसारी ने शॉल, पुष्पगुच्छ और स्मृति-चिह्न भेंट कर उन्हें सम्मानित किया। इस अवसर पर सहायक मुख्याध्यापक मुखलिस मदू, सुपरवाइजर सिब्तैन कशेलकर, समन्वयक अब्दुल अजीज अंसारी सहित शिक्षकगण उपस्थित रहे। सभी ने आदिल की मेहनत और उपलब्धियों की सराहना करते हुए उन्हें युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत बताया। आदिल अंसारी का चयन एशियन पैरा गेम्स 2026 के साथ-साथ चेक गणराज्य में होने वाली वर्ल्ड आर्चरी पैरा सीरीज तथा अहमदाबाद में आयोजित वर्ल्ड आर्चरी सीरीज के लिए भी भारतीय टीम में हुआ है। वर्तमान में वे के.एम.ई. सोसायटी के जी.एम. मोमिन कॉलेज स्टडी सेंटर में बी.ए. तृतीय वर्ष के छात्र हैं। उनकी इस उपलब्धि पर के.एम.ई. सोसायटी के पदाधिकारियों, चेयरमैन यासर तातली, प्रिंसिपल जियाउर्रहमान अंसारी, स्टडी सेंटर प्रभारी सफा आगा तथा समस्त स्टाफ ने उन्हें शुभकामनाएं दीं।

आदिवासी बच्चों के लिए लोढ़ा फाउंडेशन का मानवता का हाथ, सबका साथ अभियान

मुंबई। लोढ़ा फाउंडेशन की अध्यक्षा डॉ. मंजू मंगल प्रभात लोढ़ा की संकल्पना से साकार हुए ह्लमानवता का हाथ, सबका साथह्व इस सामाजिक अभियान का शुभारंभ मंगलवार, दि. 9 जून को सायंकाल गामदेवी स्थित धर्म पैलेस, ह्यूजेस रोड में उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। राज्य के कैबिनेट मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा की प्रमुख उपस्थिति में इस उपक्रम का औपचारिक शुभारंभ किया गया। समाज के अनेक घरों में उपयोग में न आने वाली, किंतु अच्छी स्थिति में उपलब्ध पुस्तकें, खिलौने और साइकिलें बड़ी संख्या में पड़ी रहती हैं। इन वस्तुओं को नया जीवन देते हुए उन्हें आदिवासी समुदाय के जरूरतमंद बच्चों और परिवारों तक पहुंचाने का संकल्प इस अभियान के माध्यम से लिया गया है। संकलित सामग्री की आवश्यक मरम्मत, स्वच्छता एवं पुनः उपयोग के लिए तैयारी कर उसे जरूरतमंदों तक पहुंचाया जाएगा। अभियान के शुभारंभ कार्यक्रम में 100 से अधिक नागरिक, सामाजिक कार्यकर्ता एवं गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही।सइस अवसर पर उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि शिक्षा के साधन, खिलौनों से मिलने वाला आनंद तथा साइकिलों से प्राप्त गतिशीलता ग्रामीण एवं आदिवासी क्षेत्रों के बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। समाज के प्रत्येक व्यक्ति को अपने घर की अनुपयोगी वस्तुएं दान कर इस अभियान में सहभागी बनने का आह्वान किया गया। इस अवसर पर मार्गदर्शन करते हुए कैबिनेट मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा ने कहा, समाज के प्रत्येक घर में ऐसी अनेक पुस्तकें, खिलौने और साइकिलें होती हैं, जो भले ही उपयोग में न हों, लेकिन किसी जरूरतमंद बच्चे के लिए अमूल्य साबित हो सकती हैं। ह्लमानवता का हाथ, सबका साथ यह अभियान केवल वस्तुओं का दान नहीं, बल्कि आनंद, शिक्षा और अवसरों का वितरण करने वाला अभियान है। पालघर के आदिवासी बच्चों से शुरू होने वाला यह आंदोलन समाज के संवेदनशील नागरिकों की सहभागिता से और अधिक व्यापक बनेगा, ऐसा मुझे विश्वास है। डॉ. मंजू मंगल प्रभात लोढ़ा ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा,एक पुरानी पुस्तक किसी बच्चे को शिक्षा का नया अवसर दे सकती है, एक खिलौना उसके चेहरे पर मुस्कान ला सकता है और एक साइकिल उसके सपनों को नई उड़ान दे सकती है। समाज में उपलब्ध संसाधनों का उचित उपयोग कर जरूरतमंदों तक सहायता का हाथ पहुंचाना ही इस पहल के पीछे की प्रेरणा है। कार्यक्रम में सामाजिक, शैक्षणिक एवं स्वयंसेवी क्षेत्र से जुड़े अनेक गणमान्य व्यक्ति, नागरिक तथा विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित थे। आदिवासी बच्चों की शिक्षा, खुशी और उज्ज्वल भविष्य के लिए समाज के सभी वर्गों को एकजुट होकर सहयोग करने का संदेश इस अभियान के माध्यम से दिया गया। लोढ़ा फाउंडेशन की ओर से नागरिकों से अपने घरों में उपलब्ध पुरानी पुस्तकें, खिलौने और साइकिलें दान कर इस सामाजिक आंदोलन का हिस्सा बनने का आह्वान किया गया।

फादर्स डे के लिए FNP का खास गिफ्ट कलेक्शन

मुंबई। फादर्स डे का खास अवसर बेहद नजदीक है, और अपने जीवन के असली हीरो यानी पिता के प्रति आभार और प्यार व्यक्त करने के लिए देश की अग्रणी गिफ्टिंग कंपनी FNP (Ferns N Petals) ने अपने विशेष 'फादर्स डे गिफ्ट्स संग्रह' को पेश किया है। इस विशेष कलेक्शन को पिताओं की विभिन्न प्राथमिकताओं को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है, जिसमें उपयोगी चीजों से लेकर प्रीमियम और लग्जरी गिफ्ट हैम्पर्स तक के कई शानदार विकल्प शामिल हैं। इसमें द साइलेंट एंकर गिफ्ट बॉक्स फॉर डैड, डैड्स लेजेन-डायरी गिफ्ट सेट, डैडी कूल प्रीमियम गिफ्ट हैम्पर, मैन ऑफ द आवर- पर्सनलाइज्ड फादर्स डे हैम्पर, डैड्स फ्लोरल हेलो, द कॉफी टेबल शामिल हैं। चाहे आपके पिता शांत स्वभाव के हों, हमेशा कूल रहने वाले हों, या फिर कॉफी और मीठे के शौकीन हों—FNP का यह नया कलेक्शन हर पिता को यह अहसास कराने के लिए तैयार किया गया है कि वे आपके लिए कितने खास हैं। FNP का यह विशेष फादर्स डे कलेक्शन हर तरह के स्वभाव वाले पिताओं को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। शांत और मेहनती पिताओं के सम्मान के लिए 'द साइलेंट एंकर गिफ्ट बॉक्स' (1,549 रुपये) पेश किया गया है, जो प्रीमियम उपयोगी उपहारों के जरिए आपके आभार को व्यक्त करता है। शालीनता और आधुनिकता का अनूठा संगम चाहने वालों के लिए 'डैड्स फ्लोरल हेलो' (2,049 रुपये) एक शानदार प्रीमियम फ्लोरल क्रिएशन है, जो सफेद गुलाबों, आकर्षक नीले ऑर्किड्स और एक मेटैलिक रिंग फ्रेम के साथ आता है। अंत में, स्वाद और लग्जरी के शौकीन पिताओं के लिए 'द कॉफी टेबल लग्जरी हैम्पर' (3,199 रुपये) तैयार किया गया है।

भातसा नदी पर अवैध निर्माण से किसानों को बाढ़ का खतरा

भिवंडी। भिवंडी तालुका के मौजे भोकरी क्षेत्र में एक निजी कंपनी द्वारा भातसा नदी से जुड़े प्राकृतिक नाले के प्रवाह को बाधित कर उस पर कथित रूप से अवैध निर्माण किए जाने का मामला सामने आया है। इस संबंध में ठाणे जिला ग्रामीण के सरचिटणीस पंकज गायकवाड़ ने पत्रकार परिषद आयोजित कर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि नाले का प्राकृतिक मार्ग बंद होने से आगामी मानसून में भोकरी और तलवली गांव के किसानों को बाढ़ का सामना करना पड़ सकता है। पंकज गायकवाड़ के अनुसार, नाले का प्राकृतिक प्रवाह बाधित होने से वर्षा का पानी खेतों में जमा होने की आशंका बढ़ गई है, जिससे बड़ी मात्रा में धान की खेती को नुकसान पहुंच सकता है। उन्होंने कहा कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं की गई तो किसानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। इस मुद्दे को लेकर पंकज गायकवाड़ ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को लिखित निवेदन देकर संबंधित अवैध निर्माण को हटाने, भातसा नदी के प्राकृतिक प्रवाह को पूर्ववत बहाल करने तथा जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की थी। गायकवाड़ ने बताया कि उनकी शिकायत पर संज्ञान लेते हुए मुख्यमंत्री सचिवालय ने संबंधित मामले की जांच के आदेश जारी किए हैं। मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा उपविभागीय अधिकारी (एसडीओ) कार्यालय को निर्देश दिया गया है कि मौजे भोकरी स्थित कंपनी के कथित अवैध निर्माण की जांच कर 45 दिनों के भीतर आवश्यक कार्रवाई की जाए। मुख्यमंत्री कार्यालय के निर्देश के बाद क्षेत्र के किसानों में उम्मीद जगी है कि प्रशासन इस मामले में शीघ्र कदम उठाएगा और संभावित बाढ़ के खतरे से राहत दिलाने के लिए प्रभावी कार्रवाई करेगा।

रोटरी क्लब ऑफ बोईसर-तारापुर के इंस्पायर प्रेसिडेंट राम नारायण गोयल ने किया उद्गार

पालघर(उत्तरशक्ति)। रोटरी क्लब ऑफ बोईसरझतारापुर के इंस्पायर प्रेसिडेंट राम नारायण गोयल ने उद्गार करते हुए कहा कि मैं वर्ष 2016 में अपने अनुज एवं पास्ट प्रेसिडेंट रोटेरियन रमेश मित्तल जी के कार्यकाल में रोटरी क्लब ऑफ बोईसरझतारापुर से जुड़ा। वहीं से मेरी रोटरी यात्रा का शुभारंभ हुआ। उनके मार्गदर्शन में मुझे सीखने, समझने और समाज सेवा के अनेक कार्यों में सक्रिय रूप से योगदान देने का अवसर मिला। रोटरी परिवार का हिस्सा बनना मेरे जीवन का एक अत्यंत प्रेरणादायक, गौरवपूर्ण और यादगार अध्याय रहा है।

इस यात्रा के दौरान मुझे क्लब में विभिन्न दायित्व निभाने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। लगातार छह वर्षों तक मैंने क्लब सर्विस डायरेक्टर के रूप में सेवा दी, एक वर्ष क्लब सेक्रेटरी तथा एक वर्ष वाइस प्रेसिडेंट के रूप में अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन किया। वर्ष 2025-26 में मुझे रोटरी क्लब ऑफ बोईसरझतारापुर के इंस्पायर प्रेसिडेंट के रूप में सेवा करने का सम्मान प्राप्त हुआ। क्लब के लगभग प्रत्येक विभाग में कार्य करते हुए मैंने हर जिम्मेदारी को पूर्ण निष्ठा, ईमानदारी, समर्पण और लगन के साथ निभाने का प्रयास किया। मेरा सदैव यह विश्वास रहा है कि कोई भी उपलब्धि किसी एक व्यक्ति की नहीं होती, बल्कि यह सामूहिक प्रयास, आपसी विश्वास, सहयोग और मजबूत टीम भावना का परिणाम होती है। मेरे इस पूरे सफर में क्लब के वरिष्ठजनों, पास्ट प्रेसिडेंट्स, साथी रोटेरियन्स एवं शुभचिंतकों का अमूल्य सहयोग, मार्गदर्शन और प्रेरणा निरंतर प्राप्त होती रही। उनसे मुझे केवल कार्य करने की प्रेरणा ही नहीं मिली, बल्कि नेतृत्व, संगठन, अनुशासन, सेवा भावना और मानवीय मूल्यों को समझने का अवसर भी मिला। मैंने सदैव मन, वचन और कर्म से प्रत्येक दायित्व को पूरी लगन और ईमानदारी के साथ निभाने का प्रयास किया। समाज सेवा मेरे लिए केवल एक कर्तव्य नहीं, बल्कि आत्मिक संतोष, सच्ची प्रसन्नता और जीवन के वास्तविक उद्देश्य की अनुभूति का माध्यम रही है। दिनांक 7 जून 2026 को मैंने रोटरी क्लब ऑफ बोईसर-तारापुर के प्रेसिडेंट पद का दायित्व रोटेरियन डॉ. प्रवीण वैश्य को सौंप दिया है। वे एक आकर्षक व्यक्तित्व, सकारात्मक सोच एवं उत्कृष्ट कार्यशैली के धनी हैं। मुझे पूर्ण विश्वास है कि उनके नेतृत्व में क्लब नई ऊँचाइयों को प्राप्त करेगा तथा सेवा कार्यों की गौरवशाली परंपरा को और अधिक सशक्त बनायेगा। अपने कार्यकाल के दौरान मैंने भरसक प्रयास किया कि सभी साथियों के सहयोग, समन्वय और सामूहिक सहभागिता से प्रत्येक सेवा परियोजना सफलतापूर्वक पूर्ण हो तथा क्लब की प्रतिष्ठा और गौरव निरंतर बढ़ता रहे। मेरे प्रेसिडेंट कार्यकाल की सफलता में क्लब सचिव रोटेरियन शैलेश अग्रवाल एवं पास्ट प्रेसिडेंट रोटेरियन विनायक पदमवार का योगदान विशेष रूप से उल्लेखनीय एवं अविस्मरणीय रहा है। रोटेरियन शैलेश अग्रवाल ने एक समर्पित, कर्मठ और जिम्मेदार सचिव के रूप में प्रत्येक परियोजना के सुचारु संचालन, योजना निर्माण एवं क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वहीं रोटेरियन विनायक पदमवार ने अपने अनुभव, दूरदर्शिता और सतत मार्गदर्शन से प्रत्येक महत्वपूर्ण निर्णय एवं सेवा परियोजना को सफल बनाने में अमूल्य सहयोग प्रदान किया। इन दोनों वरिष्ठ साथियों का विश्वास, समर्थन और निरंतर मार्गदर्शन मेरे लिए शक्ति, प्रेरणा और संबल का स्रोत रहा। मेरे कार्यकाल में सम्पन्न अनेक सफल परियोजनाओं के पीछे उनका महत्वपूर्ण योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। यदि मेरे कार्यकाल में किसी भी प्रकार की त्रुटि या कमी रह गई हो तो उसके लिए मैं विनम्रतापूर्वक क्षमा प्रार्थी हूँ। आज मैं हृदय की गहराइयों से अपने सभी वरिष्ठजनों, पास्ट प्रेसिडेंट्स, समकक्ष साथियों तथा युवतर एवं अनुज रोटेरियन मित्रों का हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ, जिन्होंने इस पूरे सफर में तन, मन और सच्चे सहयोग से मेरा साथ दिया। आप सभी के विश्वास, समर्थन, मार्गदर्शन और प्रेरणा के बिना यह यात्रा इतनी सफल, सार्थक और स्मरणीय नहीं बन सकती थी। रोटरी ने मुझे केवल पद और दायित्व नहीं दिए, बल्कि सेवा, नेतृत्व, विनम्रता, अनुशासन, मित्रता और मानवीय संबंधों की वास्तविक शक्ति का अनुभव कराया। यह यात्रा मेरे जीवन का एक ऐसा गौरवपूर्ण अध्याय है, जिसे मैं सदैव सम्मान, गर्व और कृतज्ञता के साथ स्मरण करता रहूँगा। रोटेरियन राम नारायण गोयल इंस्पायर प्रेसिडेंट (2025-26) ने कहा कि "Service Above Self" की भावना को आत्मसात करते हुए मैं आगे भी समाज सेवा और मानव कल्याण के कार्यों में अपनी सहभागिता और योगदान निरंतर देता रहूँगा।

इंडियन कार्पोरेशन के खिलाफ श्रमजीवी संगठना केसाथ किसान ने किया धरना प्रदर्शन

भिवंडी। भिवंडी तालुका में गोदाम व्यवसाय के तेजी से विस्तार के बीच किसानों के साथ कथित धोखाधड़ी के मामले भी बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। ऐसे ही एक मामले में धामणगांव के किसान ने श्रमजीवी संघटना के नेतृत्व में इंडियन कॉर्पोरेशन गोदाम संकुल के मुख्य प्रवेश द्वार पर धरना आंदोलन कर अपना विरोध दर्ज कराया। जानकारी के अनुसार धामणगांव निवासी किसान विनोद शेंडे ने वर्ष 2011 में अपनी 64 गुंठा जमीन इंडियन कॉर्पोरेशन गोदाम संकुल के विकास के लिए दी थी। समझौते के तहत तीन वर्ष बाद उन्हें गोदाम अथवा उसका किराया प्राप्त होना था। आरोप है कि दस वर्ष से अधिक समय बीत जाने के बावजूद न तो उन्हें गोदाम उपलब्ध कराया गया और न ही किसी प्रकार का किराया दिया गया। किसान का कहना है कि जमीन देने के बाद भी कोई लाभ न मिलने से उनके परिवार के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। इसी के विरोध में श्रमजीवी संघटना के नेतृत्व में किसानों ने इंडियन कॉर्पोरेशन के प्रवेश द्वार पर धरना प्रदर्शन शुरू किया। धरना आंदोलन की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने हस्तक्षेप करते हुए आंदोलनकारियों और विकासक पक्ष को भिवंडी पुलिस थाने में चर्चा के लिए बुलाया। देर शाम तक दोनों पक्षों के बीच समझौता कराने के प्रयास जारी रहे। श्रमजीवी संघटना ने चेतावनी दी है कि यदि किसानों को न्याय नहीं मिला तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। वहीं मामले को लेकर स्थानीय किसानों में भी नाराजगी देखी जा रही है।

प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के 10 वर्ष पूर्ण होने पर विशेष स्वास्थ्य शिविरों को मिला उत्साहजनक प्रतिसाद

पालघर(उत्तरशक्ति)। गर्भवती महिलाओं एवं नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य को अधिक सुरक्षित और सशक्त बनाने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान (पीएमएसएमए) के 10 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जिला परिषद पालघर के स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिलेभर में विशेष स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया गया। आयुष्मान आरोग्य मंदिरों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, ग्रामीण अस्पतालों, उपजिला अस्पतालों तथा विभिन्न स्वास्थ्य संस्थानों में आयोजित इन शिविरों में बड़ी संख्या में गर्भवती महिलाओं ने भाग लिया। इस विशेष अभियान के दौरान गर्भवती महिलाओं की व्यापक स्वास्थ्य जांच की गई। इनमें रक्तचाप, हीमोग्लोबिन, रक्त एवं मूत्र परीक्षण, आवश्यक प्रयोगशाला जांच, अल्ट्रासोनोग्राफी संदर्भ सेवाएं, औषधि वितरण तथा विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा परामर्श एवं मार्गदर्शन जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं। साथ ही उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं (एचआरपी) की पहचान कर उनके विशेष स्वास्थ्य प्रबंधन पर विशेष ध्यान दिया गया। इस अभियान को सफल बनाने के लिए एएनएम और आशा कार्यकताओं ने गांव-गांव जाकर गर्भवती महिलाओं से संपर्क किया तथा उन्हें नियमित स्वास्थ्य जांच के महत्व के बारे में जागरूक किया। ग्राम स्वास्थ्य, पोषण एवं स्वच्छता दिवस (वीएचएसएनडी), माता बैठकों, जनआरोग्य समितियों, स्वयं सहायता समूहों और पंचायत राज संस्थाओं के माध्यम से सुरक्षित मातृत्व के प्रति व्यापक जनजागरूकता अभियान भी चलाया गया। इस पहल के माध्यम से ग्रामीण एवं दुर्गम क्षेत्रों की महिलाओं को उनके नजदीक ही गुणवत्तापूर्ण और विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हो सकीं। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार गर्भावस्था संबंधी जटिलताओं की समय पर पहचान कर मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने की दिशा में यह अभियान प्रभावी साबित हो रहा है। जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संतोष चौधरी ने सभी गर्भवती महिलाओं से नियमित स्वास्थ्य जांच कराने तथा शासन द्वारा उपलब्ध कराई जा रही मातृत्व संबंधी सेवाओं का लाभ उठाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि सुरक्षित मातृत्व प्रत्येक महिला का अधिकार है और इसके लिए समय-समय पर स्वास्थ्य जांच अत्यंत आवश्यक है।

टोयोटा ने भारत की सबसे पसंदीदा एमपीवी न्यू इनोवा क्रिस्टा लॉन्च की

मुंबई। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) ने आज भारत की सबसे पसंदीदा एमपीवी न्यू इनोवा क्रिस्टा लॉन्च करने की घोषणा की है। इसमें नए बोल्ड डिजाइन एलिमेंट्स और अतिरिक्त सुविधाएँ शामिल हैं। टोयोटा की एवर बेटर कार्स फिलॉसफी और मजबूत कस्टमर फर्स्ट अप्रोच के अनुरूप, यह नवीनतम अपग्रेड बदलती ग्राहक अपेक्षाओं को ध्यान में रखकर सावधानीपूर्वक तैयार किया गया है। इससे लाखों भारतीय परिवारों के लिए भरोसेमंद मोबिलिटी पार्टनर के रूप में इसकी विरासत और मजबूत होगी। दो दशकों से अधिक की अनमैच्ड और अनराइवल्ड यात्रा से आकार पाई इनोवा क्रिस्टा भारत की सबसे पसंदीदा एमपीवी बनी हुई है, जो अपनी भरोसेमंद परफॉर्मेंस, आराम, सुरक्षा, लक्जरी और पावर के लिए जानी जाती है। इस मजबूत नींव पर आधारित न्यू इनोवा क्रिस्टा टोयोटा की निरंतर सुधार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। इसमें चुनिंदा ग्रेड्स में अतिरिक्त फीचर्स दिए गए हैं, जो फंक्शनल और एस्थेटिक एन्हांसमेंट्स का सोच समझकर किया गया मेल हैं। इन बदलावों का उद्देश्य ड्राइविंग अनुभव को और ऊँचा उठाना है। लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए, सबरी मनोहर, एक्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट झ्र सेल्स, सर्विस और यूज्ड कार बिजनेस, टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने कहा, ₹ब्रांड इनोवा की 13 लाख से अधिक यूनिट्स की बिक्री के साथ, इनोवा क्रिस्टा ने एमपीवी सेगमेंट में अपनी दो दशक लंबी विरासत के जरिए रिलायबिलिटी, कम्फर्ट और वैल्यू के अनमैच्ड बेंचमार्क स्थापित किए हैं। रिफ्रेश्ड न्यू इनोवा क्रिस्टा में सूक्ष्म लेकिन सार्थक अपडेट्स दिए गए हैं, जो नई ताजगी का अहसास कराते हैं, जबकि वे अनराइवल्ड क्वालिटीज बरकरार रखते हैं जिन्हें ग्राहक सबसे अधिक महत्व देते हैं।

विकासक से लाखों का हफ्ता वसूली करने के आरोप में तीन लोगों पर एफआईआर दर्ज

कल्याण (उत्तरशक्ति)। राज बिल्डर्स एंड डेवलपर्स से लाखों रुपये जबरन वसूली करने के आरोप में कोलसेवाड़ी पुलिस ने पति-पत्नी सहित 3 लोगों पर जबरन वसूली का केस दर्ज किया है। राज बिल्डर्स ने कुछ महीनों पहले कोलसेवाड़ी पुलिस स्टेशन में निवेदन देकर हफ्ता उगाही की शिकायत की थी। उस निवेदन की जांच पड़ताल करने के पश्चात पुलिस ने कल्याण पूर्व की रहने वाली समाजसेविका आशा रसाल, उनके पति ऋतुकांचन रसाल और नितिन मोकल पर मामला दर्ज किया है। कल्याण पूर्व के कोलसेवाड़ी परिसर में राज बिल्डर्स द्वारा इमारत निर्माण का काम जारी है। बिल्डर का आरोप है कि इमारत का निर्माणकार्य शुरू होते ही आशा रसाल और ऋतुकांचन रसाल ने बिल्डर एवं प्रशासन के विरोध में आंदोलन और उपोषण करने की चेतावनी दी। उपोषण पीछे लेने की एवज में 1 करोड़ रुपये की डिमांड की। समझौते के बाद 7 लाख रुपये तय हुआ, 7 लाख लेने के बाद 1 लाख 55 हजार रुपये ऑनलाइन भी वसूले। पुलिस में दर्ज शिकायत के अनुसार क्लस्टर योजना के काम के बदले 50 लाख रुपये और 3 फ्लैट की मांग भी की गई थी। बिल्डर का आरोप है कि आशा रसाल, ऋतुकांचन रसाल और नितिन मोकल ने ब्लैकमेलिंग के जरिए लाखों रुपये ऐंठे। दर्ज मुकदमे में कितनी सच्चाई है फिलहाल कोलसेवाड़ी पुलिस जाँच का विषय है।

आमगांव में गर्भवती महिलाओं के लिए विशेष स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित

पालघर (उत्तरशक्ति)। प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान (पीएमएसएमए) के दस वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में पालघर जिले के तलासरी तालुका स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र आमगांव में गर्भवती महिलाओं के लिए विशेष स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर को महिलाओं और स्थानीय नागरिकों का उत्साहपूर्ण प्रतिसाद मिला। शिविर के दौरान कुल 95 गर्भवती महिलाओं की स्वास्थ्य जांच की गई। इसमें रक्तचाप, वजन, हीमोग्लोबिन, मूत्र परीक्षण सहित अन्य आवश्यक चिकित्सकीय जांचें शामिल थीं। सभी गर्भवती महिलाओं की स्त्री रोग विशेषज्ञों द्वारा विस्तृत जांच की गई। वहीं 31 हाई रिस्क प्रेग्नेंसी (अति जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं) की पहचान कर उनकी विशेष जांच की गई तथा आवश्यक दवाइयों और उपचार की व्यवस्था शुरू की गई।इस अवसर पर गर्भवती महिलाओं को संतुलित एवं पौष्टिक आहार, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य की देखभाल तथा गर्भावस्था के दौरान लाभकारी योगासन और प्राणायाम के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही महिलाओं के मानसिक स्वास्थ्य, सकारात्मक सोच और गर्भस्थ शिशु के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए गर्भसंस्कार शिविर का भी आयोजन किया गया। यह विशेष स्वास्थ्य शिविर जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संतोष चौधरी एवं अतिरिक्त जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शशिकांत सालुंखे के मार्गदर्शन में तथा तालुका स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. श्रीकांत कुलकर्णी के सहयोग से आयोजित किया गया। शिविर के सफल संचालन के लिए चिकित्सा अधिकारी डॉ. अमृता भाकरे के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार इस पहल से गर्भवती महिलाओं को समय पर स्वास्थ्य सेवाएं, विशेषज्ञों का मार्गदर्शन और आवश्यक उपचार उपलब्ध हो सके हैं, जिससे सुरक्षित मातृत्व को बढ़ावा मिलने के साथ मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाने में मदद मिलेगी।

शिवसैनिकों के ताम्रेल आंदोलन से गूंजा मीरा-भायंदर नगर निगम, पानी संकट को लेकर जोरदार प्रदर्शन

मीरा-भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा-भायंदर शहर में व्याप्त जल संकट और नगर प्रशासन की कथित निष्क्रियता के विरोध में शिवसेना ने मंगलवार को ह्यताम्रेल आंदोलन आयोजित किया। भायंदर (पश्चिम) स्थित शिवसेना के केंद्रीय कार्यालय से शुरू हुए इस प्रदर्शन में बड़ी संख्या में शिवसैनिकों के साथ आम नागरिक भी शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने हाथों में ताम्रेल लेकर नगर निगम की ओर मार्च निकाला और नियमित जलापूर्ति की मांग को लेकर जोरदार नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि शहर के अनेक क्षेत्रों में नागरिकों को 3 से 4 दिनों तक पानी के लिए इंतजार करना पड़ रहा है, जिससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ह्लपीड़ित जनता को पानी दोह्व और ह्लप्रशासन की निष्क्रियता बंद करोह्व जैसे नारों से नगर निगम परिसर गूंज उठा। मार्च के दौरान प्रदर्शनकारी आयुक्त और महापौर कार्यालय पहुंचे, लेकिन दोनों अधिकारी वहां मौजूद नहीं थे। इस पर शिवसेना पदाधिकारियों ने नाराजगी व्यक्त करते हुए महापौर से दूरभाष पर संपर्क किया और नागरिकों की समस्याओं पर जवाब मांगा। बाद में आंदोलनकारियों ने अपना निवेदन उपमहापौर ध्रुवकिशोर पाटिल तथा उप आयुक्त संभाजी पनपत्ते को सौंपा। शिवसेना नेताओं ने आरोप लगाया कि तीन वर्ष पूर्व सूर्य बांध परियोजना के तहत जल नहर निर्माण के लिए स्वीकृत निधि के बावजूद शहर को अपेक्षित जलापूर्ति नहीं मिल रही है। उनका दावा है कि चेना गांव स्थित जल टैंक और भूमि विवादों के कारण परियोजना प्रभावित हुई है, जिससे नागरिकों को पानी की समस्या झेलनी पड़ रही है। शहर के सभी क्षेत्रों में 24 घंटे के भीतर नियमित और पर्याप्त जलापूर्ति बहाल की जाए। जिन क्षेत्रों में कई दिनों से पानी नहीं पहुंचा है, वहां नगर निगम अपने खर्च पर टैंकरों के माध्यम से निःशुल्क पानी उपलब्ध कराए। जलापूर्ति का पारदर्शी और निश्चित समय-सारणी घोषित कर उसका कड़ाई से पालन किया जाए। अवैध जल कनेक्शन और पानी चोरी के मामलों में तत्काल कार्रवाई कर एफआईआर दर्ज की जाए। सूर्य बांध परियोजना से संबंधित बाधाओं को दूर कर शहर तक पानी पहुंचाने का मार्ग प्रशस्त किया जाए। मीरा-भायंदर महिला जिला आयोजक निशा नरवेकर ने कहा कि पानी की समस्या से नागरिकों का धैर्य जवाब दे चुका है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि प्रशासन ने शीघ्र समाधान नहीं निकाला, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। शिवसेना ने कहा कि जल संकट जैसे बुनियादी मुद्दे पर नगर प्रशासन को तत्काल प्रभावी कदम उठाने चाहिए ताकि नागरिकों को राहत मिल सके।

उत्तरशक्ति

* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।

पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

प्रेम संबंधों के विरोध में दो बहनों की हत्या, भाइयों को पुलिस ने लिया हिरासत में

कुशीनगर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश के कुशीनगर जिले में कथित ऑनर किलिंग का एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। यहां दो सगी बहनों लाली निषाद (20) और शीला निषाद (18) की हत्या कर दी गई। प्रारंभिक जांच में घटना के पीछे प्रेम संबंधों को लेकर पारिवारिक विवाद की बात सामने आ रही है।

जानकारी के अनुसार, दोनों बहनों का क्षेत्र के दो युवकों से प्रेम संबंध था। इस संबंध का परिवार लगातार विरोध कर रहा था। लड़कियों के पिता ने संबंधित युवकों के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज कराई थी, लेकिन इसके बावजूद दोनों बहनों का उनसे संपर्क बना रहा। करीब 15 दिन पहले परिवार ने दोनों बहनों के मोबाइल फोन भी छीन लिए थे।

बताया जा रहा है कि घटना से पहले परिवार के भीतर किसी बात को लेकर विवाद हुआ, जिसके बाद दोनों बहनों की हत्या कर दी गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी।

पुलिस ने मामले में मृतक बहनों के भाइयों सूरज और नीतीश को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच की जा रही है और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

इस दोहरे हत्याकांड से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। पुलिस का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही घटना की वास्तविक वजह और जिम्मेदार लोगों की भूमिका स्पष्ट हो सकेगी।

वीरांगना फूलन देवी को नेताजी मुलायम सिंह ने अपनी बेटी मानकर जंगल से संसद तक पहुंचायाः मोहम्मद अरशद खान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीरांगना फूलन देवी सामाजिक न्याय मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष, राष्ट्रीय सचिव समाजवादी पार्टी एवं पूर्व विधायक जौनपुर सदर मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में वीरांगना फूलन देवी का संघर्ष और उनके राजनीतिक पुनर्वास की कहानी सामाजिक न्याय की सबसे महत्वपूर्ण घटनाओं में से एक है। उन्होंने कहा कि जब पूरा देश फूलन देवी को केवल एक डकैत के रूप में देख रहा था, तब समाजवादी आंदोलन के पुरोधा मुलायम सिंह यादव ने उनके भीतर छिपे हुए सामाजिक उत्पीड़न, अन्याय और संघर्ष की पीड़ा को समझा।

मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि नेताजी मुलायम सिंह यादव ने फूलन देवी को अपनी बेटी का सम्मान दिया, उन्हें मुख्यधारा की राजनीति में स्थान दिलाया और लोकतांत्रिक व्यवस्था के माध्यम से समाज के वंचित, पिछड़े, निषाद, बिंद, मल्लाह, केवट, मांझी तथा अन्य उपेक्षित समुदायों की आवाज बनने का अवसर प्रदान किया। यही कारण है कि फूलन देवी का जंगल से संसद तक का सफर केवल एक व्यक्ति की कहानी नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय और सम्मान की लड़ाई का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि फूलन देवी का जीवन उन करोड़ों गरीब, दलित, पिछड़े और वंचित लोगों के संघर्ष का प्रतिनिधित्व करता है जिन्हें सदियों तक सामाजिक अन्याय का सामना करना पड़ा।

नेताजी मुलायम सिंह यादव ने यह साबित किया कि लोकतंत्र में सुधार, सम्मान और अवसर का अधिकार हर नागरिक को है, चाहे उसका अतीत कितना भी कठिन क्यों न रहा हो।

मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि आज आवश्यकता है कि नई पीढ़ी फूलन देवी के संघर्ष और मुलायम सिंह यादव की सामाजिक न्याय की राजनीति को समझे। समाजवादी विचारधारा का मूल उद्देश्य समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति को सम्मान, भागीदारी और अधिकार दिलाना है।

उन्होंने घोषणा की कि वीरांगना फूलन देवी सामाजिक न्याय मंच द्वारा विभिन्न जनपदों में 'वीरांगना फूलन देवी और नेताजी मुलायम सिंह यादव : सामाजिक न्याय का ऐतिहासिक रिश्ता' विषय पर संगोष्ठियों और जनसभाओं का आयोजन किया जाएगा, ताकि समाज के वंचित वर्गों के संघर्ष और उनके राजनीतिक सशक्तिकरण के इतिहास को जन-जन तक पहुंचाया जा सके। मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि आज अखिलेश यादव जी फूलन देवी के समाज को मुलायम सिंह यादव की तरह शासन प्रशासन में सम्मानजनक भागीदारी दिलाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

प्रसाद चौराहे पर दर्दनाक हादसा, ट्रक की चपेट में आने से स्कूटी सवार की मौत

प्रियेश गुप्ता रुद्र

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। लाइन बाजार थाना क्षेत्र के प्रसाद चौराहे के समीप सोमवार रात एक दर्दनाक

सड़क हादसे में स्कूटी सवार व्यक्ति की मौत हो गई। हादसे के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई, जबकि चालक ट्रक छोड़कर मौके से फरार हो गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, कब्रुदीन निवासी रमेश कुमार (40) पुत्र रामदुलार सोमवार रात करीब 8:50 बजे स्कूटी से किसी आवश्यक कार्य से जौनपुर आए थे। प्रसाद चौराहे के पास चौकियां मार्ग की ओर जाने वाली गली के समीप सड़क पार करते समय एक तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी स्कूटी को टक्कर मार दी।

हादसा इतना भीषण था कि रमेश कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची एंबुलेंस उन्हें तत्काल जिला अस्पताल लेकर पहुंची, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

घटना की सूचना मिलते ही लाइन बाजार पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस ने दुर्घटना में शामिल ट्रक संख्या यूपी 50 सीटी 6131 को कब्जे में ले लिया है। वहीं हादसे के बाद चालक मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश की जा रही है।

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है तथा मामले की जांच जारी है। घटना के बाद मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। इस दर्दनाक हादसे से क्षेत्र में शोक का माहौल व्याप्त है।

शादी का झांसा देकर शारीरिक शोषण का आरोप, युवक पर मुकदमा दर्ज

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बक्शा थाना क्षेत्र में एक युवती ने युवक पर शादी का झांसा देकर शारीरिक शोषण, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पीड़िता की तहरीर पर बक्शा पुलिस ने आरोपी के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, पीड़िता सुल्तानपुर जनपद के एक गांव की निवासी है और आर्केस्ट्रा में कार्य करती है। पीड़िता ने पुलिस को दी गई शिकायत में बताया कि आर्केस्ट्रा में काम करने के दौरान उसकी पहचान जौनपुर के लाइन बाजार क्षेत्र निवासी अजीत शर्मा से हुई थी। दोनों के बीच बातचीत बढ़ी और इसी दौरान आरोपी ने शादी का वादा कर उसके साथ कई बार शारीरिक संबंध बनाए। पीड़िता का आरोप है कि जब भी वह शादी की बात करती थी, आरोपी उसे टाल देता था। तहरीर के अनुसार, 18 मई 2026 को आर्केस्ट्रा का कार्यक्रम समाप्त होने के बाद वह नौपेड़वां स्थित आरोपी के किराए के मकान पर गई और शादी को लेकर बातचीत की। इस पर आरोपी कथित रूप से नाराज हो गया और उसके साथ गाली-गलौज करते हुए बेल्ट से मारपीट की। पीड़िता ने आरोप लगाया कि आरोपी ने उसे जान से मारने की धमकी भी दी और कहा कि ज्यादा बोलने पर उसे मारकर फेंक देगा, जिससे किसी को कुछ पता नहीं चलेगा। बक्शा थानाध्यक्ष ने बताया कि पीड़िता की शिकायत के आधार पर आरोपी अजीत शर्मा पुत्र सुधाकर शर्मा के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पीड़िता का मेडिकल परीक्षण कराया जा रहा है तथा मामले की जांच कर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस का कहना है कि जांच में प्राप्त तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कुएं में गंदगी डालने, मारपीट और छिनैती का आरोप, पीड़िता ने एसपी से लगाई गुहार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बादलपुर थाना क्षेत्र के ग्राम रारीकला की रहने वाली एक महिला ने गांव के कुछ लोगों पर कुएं के पानी को प्रदूषित करने, मारपीट करने और आभूषण व मोबाइल छीनने का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़िता ने मामले में पुलिस अधीक्षक को ऑनलाइन प्रार्थना पत्र देकर न्याय की मांग की है।

पीड़िता नेहा चौहान पत्नी राजन चौहान का कहना है कि उनके घर के सामने स्थित कुआं उनके पूर्वजों द्वारा बनवाया गया था, जिसका उपयोग परिवार वर्षों से पेयजल और घरेलू कार्यों के लिए करता आ रहा है। आरोप है कि गांव के कुछ लोग जानबूझकर कुएं में गोबर, मिट्टी और अन्य गंदगी डालकर पानी को दूषित कर रहे हैं।

नेहा चौहान के अनुसार, जब उन्होंने इसका विरोध किया तो आरोपितों ने गाली-गलौज और विवाद शुरू कर दिया। उन्होंने बताया कि इस मामले की शिकायत पूर्व में थाना बादलपुर में भी की गई थी, जहां पुलिस ने आरोपितों का शांति भंग की आशंका में चालान किया था। इसके बावजूद कथित तौर पर उनकी हरकतें जारी रहीं।

पीड़िता ने यह भी आरोप लगाया कि आरोपी उनके घर में घुस आए, उनके साथ मारपीट की और अभद्र व्यवहार किया। साथ ही उनका मोबाइल फोन और पहने हुए आभूषण भी छीन लिए गए। परिजनों द्वारा विरोध किए जाने पर उन्हें भी धमकाते हुए भगा दिया गया।

मामले को गंभीर बताते हुए पीड़िता ने पुलिस अधीक्षक से निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग की है। फिलहाल पुलिस द्वारा शिकायत के आधार पर मामले की जांच की जा रही है।

नोटः समाचार में वर्णित आरोप पीड़िता द्वारा दिए गए प्रार्थना पत्र पर आधारित हैं। मामले की सत्यता पुलिस जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।

प्यासे को पानी पिलाना सबसे पुनीत कार्यः चन्द्रशेखर

जल के बिना जीवन की कल्पना असम्भवः नैपाली यादव

श्री लक्ष्मी पूजा महासमिति ट्रस्ट ने लगाया शरबत वितरण शिविर

जौनपुर। इस समय पड़ रही भीषण गर्मी में प्यासे को पानी पिलाना सबसे पुनीत कार्य है। यह एक ऐसा कार्य है जिसमें न अधिक धन की आवश्यकता होती है और न ही किसी विशेष साधन की, बल्कि केवल सेवा भाव और मानवता की भावना चाहिये। उक्त बातें श्री लक्ष्मी पूजा महासमिति ट्रस्ट जौनपुर द्वारा आयोजित निःशुल्क शीतल शरबत वितरण शिविर को सम्बोधित करते हुये पूर्व अध्यक्ष चन्द्रशेखर निषाद बबलू ने कही। नगर के कोतवाली चौराहे पर स्थित संकट मोचन मन्दिर के समक्ष ज्येष्ठ माह के मंगलवार को आयोजित कार्यक्रम में पूर्व

अध्यक्ष लाल बहादुर यादव नैपाली ने कहा कि ₹जल ही जीवन है।₹ जल के बिना जीवन की कल्पना असम्भव है, इसलिये किसी प्यासे व्यक्ति को पानी पिलाना सबसे बड़ा पुण्य माना जाता है। पानी पिलाना केवल मनुष्यों तक ही सीमित नहीं है। गर्मी में पशु-पक्षी भी जल के अभाव में परेशान हो जाते हैं। यदि हम अपने घरों, छतों, बगीचों या सार्वजनिक स्थानों पर पानी के पात्र रख दें तो अनेक पक्षियों और जानवरों की प्यास बुझाई जा सकती है।

इसके पहले महासमिति के वर्तमान अध्यक्ष कृष्ण कुमार जायसवाल ने शिविर का शुभारम्भ किया जिसके बाद महासमिति के कार्यक्रम सचिव शिवा गुप्ता ने हनुमान जी को शीतल शरबत चढ़ाया। कार्यक्रम को सफल बनाने में संरक्षक रामजी जायसवाल, विशिष्ट सदस्य अजय पाण्डेय, शोभायात्रा प्रभारी अभिषेक अग्रहरी, कार्यक्रम सचिव सूर्य प्रकाश विश्वकर्मा, संगठन सचिव राकेश वर्मा, सहायक लेखा परीक्षक रोहन जायसवाल, सहायक लेखा परीक्षक केतन गुप्ता, कार्यकारिणी सदस्य प्रशान्त कुकरेजा एडवोकेट, विजय केडिया, मुकेश सोनी, पत्रकार बृजेश सिंह चौहान, मनीष गांधी सहित तमाम लोग उपस्थित रहे। इस मौके पर आये लोगों का स्वागत अध्यक्ष कृष्ण कुमार जायसवाल ने किया। अन्त में महासमिति के संस्थापक स्व. सुशील वर्मा एडवोकेट के पुत्र वैभव वर्मा सचिव ने समस्त सहयोगियों एवं आगंतुकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

वृद्धाश्रम में लगा स्वास्थ्य शिविर, 93 वृद्धजनों की हुई जांच

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विश्व उच्च रक्तचाप माह के तहत मंगलवार को हरखपुर स्थित वृद्धाश्रम में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। विश्व स्वास्थ्य संगठन की थीम "Controlling Hypertension Together: Check Your Blood Pressure Regularly, Defeat the Silent Killer" के अंतर्गत आयोजित शिविर में वृद्धाश्रम में निवास कर रहे सभी वृद्धजनों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। जिला पुरुष चिकित्सालय की एनपी-एनसीडी टीम द्वारा आयोजित शिविर में 93 वृद्धजनों के रक्तचाप एवं शुगर की जांच कर आवश्यक उपचार प्रदान किया गया। इस दौरान चिकित्सकों ने स्वास्थ्य संबंधी परामर्श भी दिया। एनपी-एनसीडी के नोडल अधिकारी डॉ. अरुण कुमार यादव ने कहा कि उच्च रक्तचाप एक गंभीर समस्या है, जिसे 'साइलेंट किलर' के नाम से जाना जाता है। यह बीमारी बिना किसी स्पष्ट लक्षण के धीरे-धीरे शरीर को नुकसान पहुंचाती है और हार्ट अटैक, स्ट्रोक तथा हार्ट फेल जैसी गंभीर बीमारियों का कारण बन सकती है। उन्होंने लोगों से नियमित रूप से ब्लड प्रेशर की जांच कराने और इसे नियंत्रित रखने की अपील की। जिला चिकित्सालय के जनरल फिजिशियन डॉ. के.के. पाण्डेय ने बताया कि उच्च रक्तचाप किसी भी आयु वर्ग के व्यक्ति को प्रभावित कर सकता है, लेकिन बढ़ती उम्र के साथ इसका खतरा अधिक हो जाता है। उन्होंने स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और नियमित स्वास्थ्य जांच कराने पर जोर दिया। शिविर में एफएलसी जयप्रकाश गुप्ता सहित एनसीडी सेल एवं क्लीनिक के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के माध्यम से वृद्धजनों को उच्च रक्तचाप के प्रति जागरूक करते हुए नियमित जांच और उपचार के महत्व की जानकारी दी गई।

अवैध नर्सिंग अस्पतालों पर होगी कार्रवाई, सीएमओ ने दिए चिन्हित करने के निर्देश

बक्शा, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉ. गंगाराम गौतम ने सोमवार को नौपेड़वा सामुदायिक

स्वास्थ्य केंद्र का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल की साफ-सफाई व्यवस्था पर संतोष व्यक्त करते हुए क्षेत्र में संचालित अवैध नर्सिंग अस्पतालों को चिन्हित कर उनके खिलाफ कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

सीएमओ ने अस्पताल में भर्ती मरीजों एवं ओपीडी में आए लोगों से बातचीत कर स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी ली। उन्होंने चिकित्सकों को निर्देशित किया कि मरीजों को बाहर की दवाएं न लिखी जाएं तथा आयुष्मान भारत योजना के तहत पात्र लाभार्थियों के शत-प्रतिशत आयुष्मान कार्ड बनाए जाएं।

निरीक्षण के दौरान जननी सुरक्षा योजना, लेबर रूम और अन्य स्वास्थ्य सुविधाओं की समीक्षा की गई। सीएमओ ने ओपीडी रजिस्टर का भी अवलोकन किया और मरीजों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग की प्राथमिकता आमजन को गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराना है। इसके लिए सरकारी अस्पतालों में व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाया जाएगा तथा अवैध रूप से संचालित स्वास्थ्य संस्थानों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

इस अवसर पर डॉ. मनीष सोनकर, डॉ. आलोक रघुवंशी, डॉ. अक्षय तोमर, डॉ. जनार्दन यादव, नेत्र सहायक जय प्रकाश, फार्मासिस्ट लालजी वर्मा, हेमंत मिश्र, नितेश यादव, प्रदीप चौधरी, कमलेश सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे।

भूमि विवाद ने पकड़ा तूल, जबरन बाउंड्रीवाल निर्माण का आरोप

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बक्शा थाना क्षेत्र के सुल्तानपुर गांव में भूमि विवाद को लेकर तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गई है। गांव की निवासी सीता देवी ने जिलाधिकारी से शिकायत कर आरोप लगाया है कि सहखातेदार द्वारा बिना बंटवारा कराए विवादित भूमि पर जबरन बाउंड्रीवाल का निर्माण कराया जा रहा है। विरोध करने पर मारपीट और जान से मारने की धमकी दिए जाने का भी आरोप लगाया गया है।

सीता देवी पत्नी रामप्रवेश यादव ने जिलाधिकारी को दिए गए प्रार्थना पत्र में बताया कि वह मौजा सुल्तानपुर स्थित आराजी संख्या 22घ, रकबा 0.649 हेक्टेयर की सहखातेदार भूमिधर हैं और उक्त भूमि में उनका वैधानिक हिस्सा व कब्जा है। आरोप है कि सहखातेदार राजकुमारी पत्नी अमरजीत तथा उनके पति अमरजीत बिना वैधानिक बंटवारे के अपने हिस्से का दावा करते हुए भूमि पर बाउंड्रीवाल का निर्माण करवा रहे हैं।

पीड़िता का कहना है कि निर्माण कार्य का विरोध करने पर आरोपित पक्ष ने गाली-गलौज करते हुए मारपीट की और गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी। उन्होंने आरोप लगाया कि निर्माण के लिए नींव की खुदाई के दौरान उनका पुत्र विरोध करने पहुंचा तो उसे नींव में गिराकर मिट्टी डालने का प्रयास किया गया, हालांकि वह किसी तरह अपनी जान बचाने में सफल रहा।

महिला ने बताया कि घटना की सूचना डायल-112 पर भी दी गई थी, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद उन्होंने जिलाधिकारी से मामले में हस्तक्षेप कर निष्पक्ष जांच कराने और विवादित भूमि पर चल रहे निर्माण कार्य को तत्काल रुकवाने की मांग की है।

प्रार्थिनी ने दोषियों के विरुद्ध आवश्यक कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित किए जाने तथा क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने की भी मांग की है। फिलहाल मामले में प्रशासनिक जांच और कार्रवाई का इंतजार है।

नोटः समाचार में वर्णित आरोप शिकायतकर्ता द्वारा दिए गए प्रार्थना पत्र पर आधारित हैं। मामले की वास्तविक स्थिति जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।

खान सर के समर्थन में उतरे हिंदू सेवा दल के प्रदेश संगठन मंत्री अतुल कुमार तिवारी

खान सर के लिए छात्रों से की समर्थन की अपीलः समाजसेवी अतुल तिवारी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अखिल भारतीय हिंदू सेवा दल, उत्तर प्रदेश के प्रदेश संगठन मंत्री जनपद जौनपुर के जफराबाद विधानसभा क्षेत्र निवासी समाजसेवी अतुल कुमार तिवारी (बुद्धिमान) ने लोकप्रिय शिक्षक 'खान सर' के समर्थन में बड़ा बयान जारी किया है। उन्होंने कहा कि खान सर के साथ किसी भी प्रकार का अन्याय बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

समाजसेवी अतुल तिवारी ने कहा कि ₹मैं देश के सभी छात्र-छात्राओं एवं युवाओं से निवेदन करता हूं कि आप सभी देश के सबसे कर्मठ, सर्वश्रेष्ठ एवं लोकप्रिय अध्यापक खान सर को अपना पूर्ण समर्थन दें। क्यूंकि खान सर ने शिक्षा के क्षेत्र में क्रांति लाई है। उन्होंने सबसे कम शुल्क में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं

गरीब व जरूरतमंद बच्चों तक पहुंचाई हैं। वे हमेशा युवाओं के अधिकारों की बात करते हैं और देश व समाज के मुद्दों पर निडर होकर सत्य के साथ खड़े होते हैं। और हमेशा सामाजिक कार्य करते हैं। खान सर हर परिस्थिति में छात्रों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहते हैं, उनके हक की लड़ाई लड़ते हैं।

लेकिन आज कुछ लोगों द्वारा उन्हें फंसाने और धर्म के नाम पर बदनाम करने का कुत्सित प्रयास किया जा रहा है। आज के समय में खान सर को हम सभी युवाओं के समर्थन की आवश्यकता है। इसलिए मेरा सभी देशवासियों, विशेषकर युवाओं से हाथ जोड़कर अनुरोध है कि आप एकजुट होकर खान सर का साथ दें और किसी भी अफवाह या साजिश का हिस्सा न बनें। हम खान सर के साथ किसी भी तरह का अन्याय नहीं होने देंगे।

मृत्युंजय महादेव धाम उमरक्षा में निकली सात दिवसीय श्रीमद्भागवत महापुराण कथा से पूर्व कलशयात्रा

भागवत कथा संकल्प मात्र से हो जाता है उद्धारः अनिलेश शुक्ल

नौपेड़वा,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बक्शा विकास खण्ड के उमरक्षा गांव में स्थित मत्युंजय महादेव धाम पर सात दिवसीय श्रीमद्भागवत महापुराण ज्ञान यज्ञ महोत्सव के प्रथम दिन सोमवार को गाजे बाजे के साथ भव्य कलश यात्रा निकाली गयी। कलश यात्रा धाम यज्ञ स्थल से चलकर गांव भ्रमण करतें हुए हनुमान मंदिर होते हुए सई नदी पहुँची जहां मुख्य यजमान सहित कुल 101 महिलाओं ने नदी से कलश में जल लेकर पुनः यज्ञ स्थल पहुँची। कलश यात्रा में सम्मिलित महिलाओं युवतियों ने घड़े में जल के साथ जय जयकारों के साथ रवाना हुई तो मौजूद वातावरण भक्तिमय हो गया। गांजे-बाजे के साथ चल रही महिलाएं भक्तिमय माहौल में गीत गाते हुए तो युवक जय जयकारों के उदघोष के साथ नाचते गाते चल रहे थे जो आकर्षण का केंद्र बना रहा। यज्ञाचार्य कथा ब्यास पण्डित अनिकेश शुक्ल महाराज ने बताया कि विद्वान ब्राह्मणों की टीम द्वारा मंत्रोच्चार से यज्ञ स्थल पर मंगल कलश यात्रा पश्चात वेदी निर्माण, पूजन एवं कथा महात्म्य का आयोजन हुआ। शाम को कथा ब्यास महाराज ने कुंती चरित्र परीक्षित श्राप एवं कपिल देवहूति संवाद की कथा श्रवण करवाते हुए कहा कि श्रीमद्भागवत कथा संकल्प मात्र से जीवन का उद्धार हो जाता है। कथा ब्यास ने कहा कि कलयुग में पापी भी अगर सात दिन बैठकर श्रीमद्भागवत कथा का रसपान श्रवण कर ले तो उसे भी कष्ट से मुक्ति मिल जाएगी। कथा के अंत में आरती पश्चात प्रसाद वितरण किया गया। इस दौरान मुख्य यजमान आयोजक भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष सुशील कुमार उपाध्याय, पद्मावती उपाध्याय, सतीश उपाध्याय, नीलम उपाध्याय, शासकीय अधिवक्ता संतोष कुमार उपाध्याय, स्नेहलता उपाध्याय, भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत प्रजापति, पंकज मिश्र, पीयूष गुप्ता, अरुण उपाध्याय, ओमप्रकाश सिंह, कपिलमुनि मिश्र, रमाशंकर उपाध्याय, रामसागर शुक्ल, लालजी शुक्ल लालप्रताप सिंह, नरेंद्र सिंह, सदानंद शुक्ल, कैलाश शुक्ल, हीरामणि उपाध्याय, जयशंकर पाल संतोष शुक्ल ढोलन , विकास, अभिषेक, पुजारी आदर्श मिश्र अरविन्द सहित सैकड़ों भक्तजन मौजूद रहे।

साइकिल सवार को बचाने में पलटी बाइक, युवक की मौत

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। रानी की सराय थाना क्षेत्र में मंगलवार दोपहर एक दर्दनाक सड़क हादसे में 25 वर्षीय युवक की जान चली गई। साइकिल सवार को बचाने के प्रयास में बाइक अनियंत्रित होकर पलट गई, जिससे युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। उपचार के लिए अस्पताल ले जाने पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जानकारी के अनुसार रेंदुआ गांव निवासी सुधीर कुमार राजभर बाइक से रानी की सराय बाजार जा रहे थे। खलीलाबाद मोहल्ला स्थित यूनियन बैंक के समीप बने कट के पास अचानक एक साइकिल सवार सामने आ गया। उसे बचाने के प्रयास में बाइक का संतुलन बिगड़ गया और वाहन सड़क पर पलट गया। हादसे में सुधीर उछलकर डिवाइडर से टकरा गए, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल युवक को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल भेजा। प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर उन्हें जिला अस्पताल रेफर किया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

नाबालिग चालकों और नियम तोड़ने वाले ई-रिक्शा पर चलेगा शिकंजा, यातायात पुलिस का विशेष अभियान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले में बढ़ते यातायात जाम और सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए यातायात पुलिस ने नाबालिग चालकों और नियमों का उल्लंघन करने वाले ई-रिक्शा के खिलाफ विशेष अभियान चलाने का निर्णय लिया है। अभियान के तहत बिना नंबर वाले, फिटनेस फेल और यातायात नियमों की अनदेखी करने वाले ई-रिक्शा पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

जानकारी के अनुसार, जिले में करीब आठ हजार पंजीकृत ई-रिक्शा संचालित हैं और इनकी संख्या लगातार बढ़ रही है। शहर में ई-रिक्शा संचालन के लिए 16 रूट निर्धारित किए गए हैं, लेकिन कई चालक निर्धारित मार्गों का पालन नहीं करते, जिससे आए दिन जाम की समस्या उत्पन्न होती है।

यातायात विभाग के मुताबिक बड़ी संख्या में नाबालिग किशोर भी ई-रिक्शा चला रहे हैं। उन्हें यातायात नियमों की पर्याप्त जानकारी नहीं होने के कारण दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ जाता है। इसके अलावा कई फिटनेस फेल ई-रिक्शा भी सड़कों पर दौड़ रहे हैं,

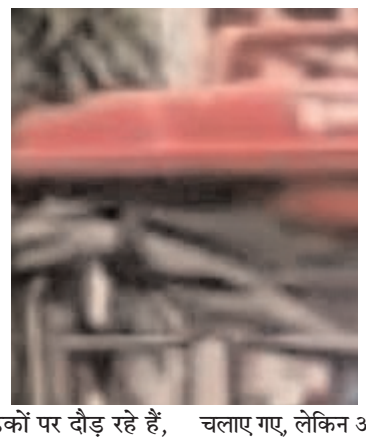

जो यात्रियों और अन्य राहगीरों की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बने हुए हैं।

यातायात निरीक्षक मनोज पांडेय ने बताया कि नाबालिग चालक मिलने पर संबंधित ई-रिक्शा को तत्काल जब्त किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पहले भी कई बार जागरूकता और चेतावनी अभियान चलाए गए, लेकिन अपेक्षित सुधार नहीं हुआ। अब नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने बताया कि जल्द ही यातायात पुलिस और एआरटीओ प्रशासन के संयुक्त अभियान के तहत बिना नंबर, फिटनेस फेल और नियमों की अनदेखी करने वाले ई-रिक्शा की जांच की जाएगी। अधिकारियों का कहना है कि बिना नंबर वाले वाहनों की दुर्घटना होने पर उनकी पहचान करना कठिन होता है, इसलिए ऐसे वाहनों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी।

यातायात पुलिस ने वाहन स्वामियों और चालकों से नियमों का पालन करने तथा नाबालिगों को वाहन न सौंपने की अपील की है, ताकि सड़क सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

शाही किले में आयोजित होगा 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का मुख्य कार्यक्रम

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। 21 जून को आयोजित होने वाले 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का मुख्य कार्यक्रम इस वर्ष ऐतिहासिक शाही किले में आयोजित किया जाएगा। इसकी तैयारियों को लेकर जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन. की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें विभिन्न विभागों को आवश्यक जिम्मेदारियां सौंपी गईं।

बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि पूर्व वर्षों की भांति इस बार भी योग दिवस को जनपद में भव्यता एवं उत्साह के साथ मनाया जाएगा। मुख्य आयोजन के अलावा सभी विकास खंडों, थाना परिसरों, अमृत सरोवरों तथा अन्य प्रमुख स्थलों पर भी सामूहिक योग कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि कार्यक्रम स्थलों पर स्वच्छता, पेयजल, मोबाइल शौचालय, विद्युत, चिकित्सा, सुरक्षा, पार्किंग एवं यातायात की समुचित व्यवस्था समय रहते सुनिश्चित कर ली जाए। साथ ही साफ-सफाई एवं चुना छिड़काव कराने के निर्देश भी दिए गए।

जिलाधिकारी ने आयुष कवच पोर्टल के व्यापक प्रचार-प्रसार पर जोर देते हुए कहा कि 15 से 21 जून तक योग से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों और जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जाए। उन्होंने कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि स्वस्थ एवं संतुलित जीवनशैली का आधार है। इसलिए ग्राम पंचायतों, विद्यालयों, महाविद्यालयों और विभिन्न संस्थानों में अधिकाधिक लोगों को योग से जोड़ने के प्रयास किए जाएं।

बैठक में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को जन आंदोलन का स्वरूप देने पर बल दिया गया। साथ ही जिला कारागार एवं एचआईवी संक्रमित मरीजों के लिए विशेष योग सत्र आयोजित करने के निर्देश भी दिए गए। योग दिवस के अवसर पर वृक्षारोपण अभियान तथा विद्यालयों में योग विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिताएं आयोजित कराने की भी योजना बनाई गई है।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया, जिला विकास अधिकारी मीनाक्षी देवी, डॉ. मनोज वत्स, योग प्रशिक्षकों सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने योग दिवस को सफल एवं यादगार बनाने के लिए समन्वित प्रयास करने का भरोसा दिलाया।

संस्कार भारती की कार्यशाला का समापन, चित्रकला प्रशिक्षक डॉ. नवीन कुमार विश्वकर्मा सम्मानित

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। संस्कार भारती जौनपुर द्वारा आयोजित 20 दिवसीय ग्रीष्मकालीन कार्यशाला का भव्य समापन नगर स्थित होली चाइल्ड एकेडमी में उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर बच्चों को कला के गुर सिखाने वाले मुख्य चित्रकला प्रशिक्षक डॉ. नवीन कुमार विश्वकर्मा को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए विशेष रूप से सम्मानित किया गया। डॉ. विश्वकर्मा के निर्देशन में बच्चों द्वारा तैयार की गई आकर्षक पेंटिंग्स और रेखाचित्रों की प्रदर्शनी की अतिथियों ने भूरि-भूरि प्रशंसा की। कार्यशाला के दौरान बच्चों को चित्रकला, कथक, लोकगीत, नाट्य कला एवं कंटेम्परेरी डांस का कड़ा प्रशिक्षण दिया गया था, जिसका शानदार प्रदर्शन प्रतिभागियों ने समापन समारोह के मंच पर किया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती एवं नटराज प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। समारोह में विशिष्ट अतिथि डॉ. प्रमोद श्रीवास्तव, कार्यक्रम अध्यक्ष डॉ. अशोक सिंह रघुवंशी, संरक्षक रवींद्र नाथ, काशी प्रांत महामंत्री सुजीत, कार्यकारिणी सदस्य ऋषि श्रीवास्तव, अध्यक्ष डॉ. ज्योति दास एवं महामंत्री अमित अंशु उपस्थित रहे। अतिथियों ने डॉ. नवीन कुमार विश्वकर्मा सहित अन्य प्रशिक्षकों को स्मृति चिह्न व अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया और बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

मानवता के हित में पोईसर वेलफेयर एसोसिएशन का सराहनीय प्रयास

-रमेश प्रजापति

मुंबई (उत्तरशक्ति) मानव सेवा और सामाजिक उत्तरदायित्व की मिसाल पेश करते हुए पोईसर वेलफेयर एसोसिएशन ने अध्यक्ष दिलीप त्रिवेदी के नेतृत्व में एक निर्बल एवं जरूरतमंद व्यक्ति की सहायता के लिए 25,000 से अधिक की राशि एकत्रित कर आर्थिक सहयोग प्रदान किया। इस सहायता से जरूरतमंद व्यक्ति के उपचार एवं जीवन रक्षा में महत्वपूर्ण मदद मिली। इस मानवीय अभियान में संगठन से जुड़े व्यापारियों एवं समाजसेवियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया तथा अपनी श्रद्धा और सामर्थ्य के अनुसार सहयोग राशि प्रदान की। संगठन ने सभी सहयोगकताओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समाज के सामूहिक प्रयास से ही जरूरतमंदों को समय पर सहायता पहुंचाई जा सकती है। इस अवसर पर अध्यक्ष दिलीप त्रिवेदी, बाबू सिंह गोयल, छगनभाई माली, संजयभाई जंगल, नरेंद्र चाचा, ओमजी पार्टी, रमन जाजी, मनोज पाठक, विनोद टमाटर वाले, सुरेशभाई (सतगुरु मेडिकल), लच्छाराम (जागृति ड्रेस), श्रीजी डेयरी, केसाराम प्रजापति, प्यारेलाल, मोहन सिंह सिसोदिया, वीरमजी सोलंकी, अशोक सिंह, नैंसी इलेक्ट्रिक, मांगीलाल सुथार सहित अनेक दानदाताओं ने अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। संगठन के पदाधिकारियों ने सभी दानदाताओं का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि भविष्य में भी पोईसर वेलफेयर एसोसिएशन इसी प्रकार मानवता और समाज सेवा के कार्यों में अग्रणी भूमिका निभाता रहेगा।

अधूरी सड़क से शीतला धाम आने वाले श्रद्धालु परेशान, नंगे पैर चलने को मजबूर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शीतला धाम चैकिया में चल रहे सीसी सड़क निर्माण कार्य की धीमी गति और अधूरे काम के कारण श्रद्धालुओं को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। मुख्य मार्ग पर सड़क खोदकर बोल्डर डाल दिए गए हैं, लेकिन निर्माण कार्य पूरा नहीं होने से मंदिर आने-जाने वाले श्रद्धालुओं को पथरीले रास्ते से गुजरना पड़ रहा है।

मां काली मंदिर से शीतला माता मंदिर के प्रवेश द्वार तक सड़क निर्माण अधूरा पड़ा है। गर्मी और तेज धूप के बीच नंगे पैर दर्शन के लिए पहुंचने वाले श्रद्धालुओं को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। स्थिति तब और गंभीर हो गई है जब मंदिर तक पहुंचने वाली दूसरी गली भी करीब 20 दिनों से खोदी हुई पड़ी है, जिससे वैकल्पिक मार्ग भी बाधित हो गया है।

सोमवार को मां शीतला के विशेष दिन पर धाम में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। इस दौरान बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों को खुदी हुई सड़क और बिखरे बोल्डरों के बीच होकर मंदिर तक पहुंचना पड़ा। श्रद्धालुओं ने निर्माण कार्य को शीघ्र पूरा कराने की मांग की। श्रद्धालुओं की परेशानी को देखते हुए महंगुपुर मार्ग पर विक्की यादव और उनके सहयोगियों द्वारा निःशुल्क प्याऊ की व्यवस्था की गई, जिससे गर्मी से राहत पाने वाले भक्तों ने सराहना की। गौरतलब है कि शीतला चैकिया धाम के पर्यटन विकास के लिए लगभग साढ़े छह करोड़ रुपये की लागत से विभिन्न विकास कार्य प्रस्तावित हैं। इनमें मुख्य द्वार का निर्माण, मंदिर परिसर का सौंदर्यीकरण, श्रद्धालुओं के बैठने की व्यवस्था, नए प्रवेश द्वार, सीसी सड़क एवं नाली निर्माण जैसे कार्य शामिल हैं।

भाजपा उत्तर भारतीय मोर्चा के सम्मेलन में दिखी विविधता में एकता' की झलक

-आदेश मिश्र

मुंबई। भाजपा उत्तर भारतीय मोर्चा मुंबई द्वारा आयोजित उत्तर भारतीय सम्मेलन एवं वरिष्ठ नागरिक सम्मान समारोह का भव्य आयोजन गोरेगांव पूर्व स्थित मेवाड़ भवन हॉल में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं की सहभागिता ने इसे नारी शक्ति के उत्सव का स्वरूप प्रदान किया। उत्तर भारतीय समाज की एकता, सांस्कृतिक विरासत और सामाजिक समरसता को समर्पित इस आयोजन में विभिन्न राज्यों और समुदायों के लोगों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुंबई भाजपा के महामंत्री एवं सिद्धिविनायक मंदिर ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष आचार्य पवन त्रिपाठी थे। उनके साथ भाजपा उत्तर भारतीय मोर्चा महाराष्ट्र के अध्यक्ष संजय पांडेय, मुंबई अध्यक्ष प्रमोद मिश्रा, महामंत्री विनय दुबे, मनोज जायसवाल, अजित सिंह, जिला अध्यक्ष ज्ञान मूर्ति शर्मा, जिला अध्यक्ष बलवंत वर्मा, मुंबई उपाध्यक्ष अजय शुक्ला, प्रभाकर चतुवेर्दी, सचिव राहुल यादव, महिला प्रमुख संध्या पाठक, राजकुमार सिंह तथा आशीष मिश्रा सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे।अपने संबोधन में आचार्य पवन त्रिपाठी ने कहा कि सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण में महिलाओं की भूमिका सराहनीय है। आगे आचार्य पवन त्रिपाठी ने कहा कि यह केवल उत्तर भारतीय सम्मेलन नहीं, बल्कि भारत की विविधता और एकता का जीवंत उदाहरण है। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में पूर्व से पश्चिम और उत्तर से दक्षिण तक विभिन्न क्षेत्रों के लोगों की सहभागिता रही, जिससे यहां

हृमिनी भारतह्व की झलक देखने को मिली। उन्होंने समाज में महिलाओं की बढ़ती भूमिका और सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण में उनके योगदान की सराहना की। वहीं, संजय पांडे ने कहा कि महाराष्ट्र के विकास में जितना अन्य समाज का योगदान है उससे कम हमारा योगदान नही है। इसलिए उत्तर भारतीयों को कतई किसी से डरने की जरूरत नही है। इसी कड़ी में भाजपा उत्तर भारतीय मोर्चा मुंबई अध्यक्ष प्रमोद मिश्रा- ने अपने वक्तव्य में कहा कि एकजुटता ही उत्तर भारतीय समाज की ताकत है। प्रमोद मिश्रा ने भव्य उत्तर भारतीय सम्मेलन आयोजित करने के लिए भाजपा उत्तर भारतीय मोर्चा के पदाधिकारियों की प्रसंशा की। वक्ताओं ने सामाजिक एकजुटता, सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण तथा महिला सशक्तिकरण को समय की आवश्यकता बताते हुए समाज को संगठित रहने का आह्वान किया। आयोजन ने उत्तर भारतीय समाज के साथ-साथ मुंबई की बहुसांस्कृतिक पहचान को भी और अधिक मजबूती प्रदान की। कार्यक्रम के दौरान लोकप्रिय लोकगायक सुरेश शुक्ला एवं गायिका सेतू ने भजनों और सांस्कृतिक गीतों की मनमोहक प्रस्तुति देकर उपस्थित जनसमूह को भाव-विभोर कर दिया। पूरे सभागार में भक्ति, संस्कृति और सामाजिक सौहार्द का वातावरण देखने को मिला।

और वर्षा ऋतु से बचने के लिए छतरी वितरण कार्यक्रम भी किया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में भाजपा उत्तर भारतीय मोर्चा मुंबई के उपाध्यक्ष विजय यादव, मनोज सिंह, भाजपा नेता विप्लव अवसरे, लव जायसवाल, लक्ष्मण नडार तथा प्रीतेश पटेल का विशेष योगदान रहा। सम्मेलन के दौरान एड दशरथ दुबे और शैलेन्द्र दुबे सहित कई वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान भी किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन राजू मिश्र ने किया।

पंचमुखी हनुमान मंदिर में नि:शुल्क छाछ वितरण

नालासोपारा। नालासोपारा पश्चिम स्थित पंचमुखी हनुमान मंदिर में 09 जून 2026 को सेवा परमो धर्मः के संकल्प के साथ निःशुल्क छाछ वितरण सेवा का सफल आयोजन किया गया। भीषण गर्मी में श्रद्धालुओं को राहत प्रदान करने के उद्देश्य से आयोजित इस सेवा कार्य में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया और लाभ प्राप्त किया। कार्यक्रम के दौरान कुल 101 लीटर छाछ का वितरण श्रद्धालुओं के बीच किया गया। इस सेवा अभियान को समाज के विभिन्न वर्गों से भरपूर सहयोग एवं समर्थन प्राप्त हुआ, जिसके कारण यह आयोजन सफलतापूर्वक सम्पन्न हो सका। इस आयोजन के मुख्य सहयोगी निकुंज सोनी एवं सोनम सोनी रहे, जिनके विशेष सहयोग से यह सेवा कार्य संभव हो पाया। इसके अतिरिक्त सीमा नाथ, राकेश पाटिल, विशाल गुप्ता, द

शिवा सर, आदर्श पांडेय, तुषार पाटिल एवं दीपक यादव सहित अनेक सहयोगकताओं ने इस सेवा अभियान को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आयोजक मोहित अगस्तमुनी दुबे ने सभी सहयोगकताओं, शुभचिंतकों एवं श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समाज सेवा के ऐसे कार्य लोगों को जोड़ने के साथ-साथ मानवता और सहयोग की भावना को भी सशक्त बनाते हैं। कार्यक्रम का समापन सभी के उज्ज्वल स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि एवं जनकल्याण की मंगलकामनाओं के साथ हुआ। जहाँ सेवा का संकल्प होता है, वहाँ सफलता का मार्ग स्वयं बन जाता है।

भारत के ऑफबीट हॉस्पिटैलिटी बाजार में गुणवत्ता और भरोसा बढ़ाने के लिए टार्जन नेचर रिट्रीट ने लॉन्च किया लाइसेंसिंग मॉडल

मुंबई/दिल्ली। ईबीजी ग्रुप के नेचर-हॉस्पिटैलिटी प्लेटफॉर्म टार्जन नेचर रिट्रीट ने अपने टार्जन लाइसेंसिंग /प्रॉपर्टि अपग्रेड मॉडल की शुरूआत की घोषणा की है। यह पहल भारत में बिखरे हुए और असंगठित ऑफबीट स्टे (पर्यटन आवासों) को विश्वसनीय, ब्रांडेड और प्रकृति-केंद्रित आतिथ्य स्थलों में बदलने के उद्देश्य से शुरू की गई है। भारत भर में जंगलों, खेतों, पहाड़ियों, समुद्र तटों, नदी क्षेत्रों और ग्रामीण इलाकों में खूबसूरत फार्मस्टे, ईको-स्टे, नेचर कैंप, बुटीक रिसॉर्ट और स्वतंत्र रिट्रीट उभर रहे हैं। भारत का ऑफबीट हॉस्पिटैलिटी बाजार बढ़ रहा है, लेकिन यह अब भी काफी हद तक असंगठित है। इनमें से कई प्रॉपर्टीज में प्राकृतिक आकर्षण तो भरपूर है, लेकिन एक समान ब्रांड पहचान, संचालन रडढ, गेस्ट-एक्सपीरियंस स्टैंडर्ड, डिजिटल डिमांड सिस्टम और पारदर्शी हॉस्पिटैलिटी प्रथाओं की कमी है। टार्जन का नया लाइसेंसिंग मॉडल इसी अंतर को पाटने के लिए बनाया गया है।

इस मॉडल के तहत, योग्य प्रॉपर्टीज को टार्जन ब्रांड के साथ जोड़ा जाएगा और एक संरचित ढांचे के जरिए अपग्रेड किया जाएगा। इसमें ब्रांड पहचान, डिजाइन सुधार, फोटोग्राफी व कंटेंट, डळअ और प्राइसिंग रणनीति, हाउसकीपिंग स्टैंडर्ड, स्टाफ ट्रेनिंग, गेस्ट-एक्सपीरियंस रडढ, ऑडिट, सेंट्रल मार्केटिंग और डिमांड-जनरेशन सपोर्ट शामिल हैं। प्रॉपर्टी की जरूरत के अनुसार, टार्जन गायब हॉस्पिटैलिटी या वेलनेस सुविधाओं की पहचान करने और उन्हें जोड़ने में भी मदद कर सकता है, जैसे प्रीफैब स्टे यूनिट, स्पा कॉटेज, रेस्टोरेंट पॉड, प्लंज पूल, जकूजी यूनिट, गाइडेड एक्टिविटी जोन और क्यूरेटेड ऋ&इ एक्सपीरियंस।

पीएम इंडिया ने अवैध तम्बाकू व्यापार पर रोक के लिए सख्त प्रवर्तन और सहयोग की आवश्यकता पर जोर दिया

मुंबई। वर्ल्ड एंटी-काउंटरफिटिंग डे के अवसर पर, फिलिप मॉरिस इंडिया (पीएम इंडिया) ने अवैध तम्बाकू व्यापार के नेटवर्क को समाप्त करने के लिए सख्त प्रवर्तन और सहयोग की आवश्यकता पर जोर दिया। टोबैको इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (टी.आई.आई) के मुताबिक घरेलू बाजार में गैरकानूनी सिगरेट का हिस्सा लगभग एक चौथाई के बराबर है, जिससे हर साल लगभग 23,000 करोड़ रुपये का नुकसान होता है। तम्बाकू का गैरकानूनी व्यापार विश्व में एक बढ़ती हुई समस्या है। अवैध सिगरेट की क्रॉस-बॉर्डर स्मगलिंग की वजह से सरकारों को राजस्व का भारी नुकसान होता है। यह समस्या अब केवल सिगरेट तक सीमित नहीं रही, बल्कि प्रतिबंधित एवं अनियमित ई-सिगरेट और वेप उत्पादों तक भी फैल चुकी है, जो अक्सर रैगुलेटरी जाँच से बच निकलते हैं।

ज्यादा सख्त एंटीकाउंटरफीटिंग रैगुलेशनों और सहयोग पर जोर देते हुए, पीएम इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर, नवनील कर ने कहा, ह्यह्यअवैध तम्बाकू व्यापार लगातार बढ़ता और जटिल होता जा रहा है, जिससे सरकार के राजस्व, ग्राहकों की सुरक्षा और रैगुलेटरी इंटीग्रिटी को बड़ा खतरा हो रहा है।

जो समस्या पहले केवल नकली या अवैध सिगरेट तक सीमित थी, वह अब तस्करी किए गए, प्रतिबंधित और अनियमित उत्पादों के व्यापक नेटवर्क तक फैल चुकी है, जो नियामकीय निगरानी से बच निकलते हैं। हाल ही में की गई कानूनी कार्रवाइयों से प्रदर्शित होता है कि यह चुनौती कितना विशाल रूप ले चुकी है। इसलिए लगातार इंटैलिजेंस पर आधारित कार्रवाइयों की जरूरत है।

इस समस्या से प्रभावी तरीके से निपटने के लिए उद्योग और कानूनी संस्थाओं के बीच करीबी सहयोग जरूरी है। साथ ही एक मजबूत सिस्टम भी होना चाहिए। ट्रैक-एंड-ट्रेस जैसी प्रणालियों के माध्यम से आपूर्ति श्रृंखला में पारदर्शिता बढ़ाई जानी चाहिए। पीएम इंडिया में हम अपने ग्लोबल अनुभव और स्थानीय पार्टनरशिप्स की मदद से अधिकारियों को सहयोग देने के लिए प्रतिबद्ध हैं, ताकि अनुपालन मजबूती से हो सके, वैध व्यापार की रक्षा हो और एक ज्यादा सुरक्षित बाजार का निर्माण हो।

संगीतमय सुंदरकांड पाठ एवं भजन संध्या कार्यक्रम संपन्न

प्रतापगढ़। पुरुषोत्तम मास के पावन अवसर पर शनिवार को जनपद प्रतापगढ़ के ग्राम गधियाँवा के शुक्लान पुरवा स्थित श्री बड़े हनुमान मंदिर प्रांगण में संगीतमय सुंदरकांड पाठ एवं भव्य भजन संध्या का आयोजन समाजसेवक दिनेश पांडेय के आयोजन में श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान श्रीराम एवं संकटमोचन हनुमान जी के पूजन-अर्चन के साथ हुआ। तत्पश्चात श्रद्धालुओं द्वारा सांगीतामय सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गय, जिसमें उपस्थित भक्तगणों ने भक्ति रस में डूबकर प्रभु श्रीराम एवं बजरंगबली का गुणगान किया। भजन-कीर्तन के दौरान पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण से गूंज उठा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामवासियों एवं श्रद्धालुओं ने परिवार सहित सहभागिता कर पुण्य लाभ प्राप्त किया। आयोजन के समापन पर उपस्थित श्रद्धालुओं को प्रसाद एवं जलपान वितरित किया गया। पत्रकार अविनाश ने कहा, गांव की सांस्कृतिक एवं धार्मिक परंपराओं को जीवंत बनाए रखने में ऐसे आयोजनों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। श्रद्धालुओं की उत्साहपूर्ण सहभागिता यह दशार्ती है कि हमारी धार्मिक आस्था और सामाजिक एकता आज भी उतनी ही मजबूत है। दिनेश पांडेय ने कहा, धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन हमारी सामाजिक विरासत के संवाहक हैं। ऐसे कार्यक्रम नई पीढ़ी को अपनी परंपराओं से जोड़ने के साथ-साथ समाज में सद्भाव, सहयोग और आध्यात्मिक चेतना का संचार करते हैं। इस अवसर पर आयोजक दिनेश कुमार पांडेय (समाजसेवक) एवं अविनाश दिनेश पांडेय (पत्रकार एवं समाजसेवक) ने कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु समस्त ग्रामवासियों, श्रद्धालुओं एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का सफल संचालन निवेदन ग्रामवासियों के एकता अखंडता से संपन्न हुआ।

घर से 500 मीटर पहले मौत की घात, गोली लगने के बाद भी बाइक चलाकर पहुंचा घर, सुबह थम गई जिंदगी

सुरेश गांधी

वाराणसी। रोहनिया थाना क्षेत्र के अवलेशपुर स्थित सौरभ विहार कॉलोनी में सोमवार देर रात हुई एक सनसनीखेज वारदात ने पूरे इलाके को दहला दिया। लकी स्टोर्स के संचालक जितेंद्र कुमार पटेल (45) को घर लौटते समय बाइक सवार दो बदमाशों ने गोली मार दी। हैरत की बात यह रही कि गोली लगने के बाद भी जितेंद्र ने हिम्मत नहीं हारी और लहूलुहान हालत में बाइक चलाते हुए घर तक पहुंच गए। हालांकि ट्रॉमा सेंटर में उपचार के दौरान मंगलवार सुबह उनकी मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार, अवलेशपुर निवासी जितेंद्र कुमार पटेल रोज की तरह सोमवार रात अपनी दुकान बंद कर घर लौट रहे थे। वह घर से महज 500 मीटर की दूरी पर पहुंचे थे कि पहले से घात लगाए बैठे दो नकाबपोश बदमाशों ने पीछे से उन पर फायरिंग कर दी। एक

गोली उनकी पीठ में जा लगी। अचानक हुए हमले के बाद बदमाश मौके से फरार हो गए।

गोली लगने के बावजूद जितेंद्र ने अदम्य साहस दिखाया। गंभीर रूप से घायल होने के बाद भी वह किसी तरह बाइक चलाकर घर पहुंचे। घर पहुंचते ही उन्होंने अपनी मां सुदामा देवी को बताया कि रास्ते में बाइक सवार दो लोगों ने उन्हें गोली मार दी है। उनकी पीठ से लगातार खून बह रहा था। यह दृश्य देखकर परिवार के लोग बदहवास हो गए।

परिजन तत्काल उन्हें एक निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने हालत गंभीर देखते हुए ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया। पूरी रात जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष करने के बाद मंगलवार सुबह उन्होंने अंतिम सांस ली।

जितेंद्र की मौत की खबर मिलते ही परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। पत्नी रीनू देवी, मां सुदामा देवी और दोनों पुत्र अतुल उर्फ लकी व आयुष का रो-रोकर बुरा हाल है। तीन भाइयों में सबसे बड़े जितेंद्र परिवार के मुख्य सहारा थे। कॉलोनी और व्यापारिक क्षेत्र में भी शोक और आक्रोश का माहौल है।हत्या के पीछे की वजह तलाश रही पुलिस को परिवार ने एक पुराने भूमि विवाद की जानकारी दी है। मृतक की मां सुदामा देवी के अनुसार, चंदौली जिले के बबुरी थाना क्षेत्र स्थित मुरेराडीह-पांडेयपुर में परिवार की करीब तीन बीघा जमीन है। आरोप है कि वर्षों से उस जमीन की खेती करने वाले एक परिवार ने पैमाइश कराने के नाम पर धोखे से दस्तखत कराकर जमीन अपने नाम करा ली थी। इस मामले को लेकर न्यायालय में मुकदमा भी लंबित है। हालांकि पुलिस अभी किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंची है, लेकिन भूमि विवाद, पुरानी रंजिश, आर्थिक लेनदेन और अन्य संभावित कारणों को ध्यान में रखकर जांच आगे बढ़ाई जा रही है।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, फोरेंसिक टीम और आला अधिकारी मौके पर पहुंचे। घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए गए हैं। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है ताकि हमलावरों की पहचान की जा सके। पुलिस का कहना है कि जल्द ही वारदात का खुलासा कर आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

शहर से सटे इलाके में घर के नजदीक इस तरह की दुस्साहसिक हत्या ने सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। जिस बेखौफ अंदाज में बदमाशों ने वारदात को अंजाम दिया, उसने आम लोगों के बीच भय का माहौल पैदा कर दिया है। अब निगाहें पुलिस की जांच और हत्यारों की गिरफ्तारी पर टिकी हैं।

दुकानदार जितेंद्र कुमार पटेल की हत्या की सूचना मिलते ही पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी सक्रिय हो गए। एडीसीपी (काशी जोन) लिपि नगायच देर रात घटनास्थल पर पहुंचीं और पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली। उन्होंने घटनास्थल का निरीक्षण कर पुलिस एवं फोरेंसिक टीम को साक्ष्य संकलन के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। एडीसीपी ने आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज तत्काल खंगालने, घटनास्थल से मिले साक्ष्यों को सुरक्षित रखने तथा संदिग्ध व्यक्तियों की गतिविधियों की गहन पड़ताल करने के निर्देश दिए। उन्होंने मृतक के परिजनों से भी बातचीत कर घटना के संबंध में जानकारी ली और हर पहलू की निष्पक्ष जांच का भरोसा दिलाया। लिपि नगायच ने बताया कि पुलिस हत्या के पीछे भूमि विवाद, पुरानी रंजिश, आर्थिक लेनदेन समेत सभी संभावित बिंदुओं पर जांच कर रही है। हमलावरों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए विशेष टीमें गठित कर दी गई हैं। जल्द ही घटना का सफल अनावरण कर आरोपियों को कानून के शिकंजे में लाया जाएगा।

बड़े मंगल पर पांडेपुर के प्राचीन हनुमान मंदिर में उमड़ा आस्था का सैलाब

विशाल भंडारे में हजारों श्रद्धालुओं ने ग्रहण किया प्रसाद, भक्तिरस में डूबा रहा पूरा क्षेत्र

वाराणसी। ज्येष्ठ मास के पावन बड़े मंगल की श्रृंखला के पांचवें और अंतिम मंगल पर मंगलवार को पांडेपुर स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर में श्रद्धा, भक्ति और सेवा का अनुपम संगम देखने को मिला। भोर की पहली किरण के साथ ही मंदिर परिसर में भक्तों का आगमन शुरू हो गया, जो देर शाम तक अनवरत जारी रहा। बजरंगबली के जयघोष, घंटों और शंखध्वनि से पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा।

मंदिर में सुबह विशेष पूजन-अर्चन और सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। श्रद्धालुओं ने संकटमोचन हनुमान के चरणों में मत्था टेककर परिवार की सुख-समृद्धि, आरोग्यता और मंगलकामना की प्रार्थना की। मंदिर परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया था। रंग-बिरंगे पुष्पों और विद्युत झालरों से सुसज्जित मंदिर श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बना रहा। बड़े मंगल के अवसर पर आयोजित विशाल भंडारे में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। सेवा भाव से ओतप्रोत स्वयंसेवक सुबह से ही श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण में जुटे रहे। कतारबद्ध होकर लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया और आयोजन समिति की व्यवस्था की सराहना की। मंदिर परिसर में सामाजिक समरसता और लोकसेवा की भावना स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही थी, जहां हर वर्ग और आयु के लोग एक साथ बैठकर प्रसाद ग्रहण कर रहे थे।

श्रद्धालुओं का मानना है कि बड़े मंगल के दिन हनुमान जी की आराधना करने से जीवन के संकट दूर होते हैं और मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। इसी विश्वास के साथ बड़ी संख्या में महिलाओं, युवाओं और बुजुर्गों ने मंदिर पहुंचकर दर्शन-पूजन किया। पूरे दिन क्षेत्र में धार्मिक उल्लास और उत्साह का माहौल बना रहा।

इस अवसर पर क्षेत्र के पार्षद मदन मोहन दुबे सहित अनेक गणमान्य नागरिक, सामाजिक कार्यकर्ता और धर्मप्रेमी उपस्थित रहे। उन्होंने श्रद्धालुओं का स्वागत किया तथा भंडारे की व्यवस्थाओं का निरीक्षण करते हुए सेवा कार्यों में भी सहभागिता निभाई। उपस्थित लोगों ने बड़े मंगल की परंपरा को काशी की सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा बताते हुए इसे सामाजिक एकता और लोककल्याण का पर्व कहा।

संध्या आरती के साथ दिनभर चले धार्मिक अनुष्ठानों का समापन हुआ। आरती के दौरान मंदिर परिसर में उपस्थित श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा का पाठ किया। दीपों की ज्योति और भक्तों की आस्था से आलोकित वातावरण मानो यह संदेश दे रहा था कि सेवा, समर्पण और श्रद्धा ही सनातन संस्कृति की वास्तविक शक्ति हैं।

वसई-विरार में सेल्फ-रीडेवलपमेंट परियोजनाओं को गति देने के लिए अहम बैठक

मुंबई। वसई-विरार और ठाणे क्षेत्र में सेल्फ-रीडेवलपमेंट (स्व-पुनर्विकास) परियोजनाओं को तेजी से आगे बढ़ाने के उद्देश्य से मुंबई में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता महाराष्ट्र सरकार की सेल्फ/क्लस्टर रीडेवलपमेंट अथॉरिटी के चेयरमैन, विधान परिषद सदस्य एवं भाजपा ग्रुप लीडर प्रवीण दरेकर ने की। बैठक में वसई विधायक स्नेहा दुबे पंडित सहित संबंधित विभागों के अधिकारियों, हाउसिंग सोसायटियों के पदाधिकारियों और विशेषज्ञों ने भाग लिया। इस दौरान सेल्फ-रीडेवलपमेंट नीति के प्रभावी क्रियान्वयन और परियोजनाओं में आ रही प्रशासनिक एवं तकनीकी बाधाओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में यूडीसीपीआर नियमों के तहत किराएदारों को मिलने वाले 15 वर्ग मीटर अतिरिक्त कारपेट एरिया को लागू करने में आ रही समस्याओं के समाधान पर विचार किया गया। साथ ही वसई-विरार महानगरपालिका क्षेत्र में सेल्फ और क्लस्टर रीडेवलपमेंट परियोजनाओं की मंजूरी प्रक्रिया को तेज करने के लिए तत्काल सिंगल-विंडो सिस्टम लागू करने का प्रस्ताव रखा गया।

इसके अलावा, स्व-पुनर्विकास करने वाली हाउसिंग सोसायटियों के लिए भूमि सर्वेक्षण प्रक्रिया को समयबद्ध बनाने हेतु भूमि अभिलेख विभाग के लिए निश्चित समय-सीमा तय करने की आवश्यकता पर भी सहमति बनी। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि वसई-विरार क्षेत्र में सेल्फ-रीडेवलपमेंट परियोजनाओं के समक्ष मौजूद प्रशासनिक और तकनीकी समस्याओं को आगामी मानसून सत्र में प्रमुखता से उठाया जाएगा। साथ ही सरकार से सकारात्मक निर्णय सुनिश्चित करने के लिए जल्द ही एक और उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की जाएगी। इस अवसर पर अधिकारियों और हाउसिंग सोसायटियों के प्रतिनिधियों ने क्षेत्र के विकास और नागरिकों को सुरक्षित एवं सम्मानजनक आवास उपलब्ध कराने के लिए सेल्फ-रीडेवलपमेंट को महत्वपूर्ण कदम बताया। विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने कहा कि वसई-विरार के समग्र विकास और नागरिकों के हितों के लिए उनके प्रयास लगातार जारी रहेंगे।

पालघर ज़िले में नेशनल हाईवे-48 पर छह पैदल यात्री पुलों को मंजूरी

पालघर, प्रतिनिधि। पालघर लोकसभा क्षेत्र के सांसद डॉ. हेमंत विष्णु सावरा के लगातार प्रयासों के बाद नेशनल हाईवे-48 के अछद-दहिसर मार्ग पर छह पैदल यात्री ओवरब्रिज (फुट ओवरब्रिज) के निर्माण का रास्ता साफ हो गया है। नेशनल हाईवे अथॉरिटी ने इन पुलों के निर्माण के लिए ई-टेंडरिंग प्रक्रिया शुरू कर दी है।

मुंबई क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा जारी निविदा के अनुसार महाराष्ट्र में नेशनल हाईवे-48 के अछद से दहिसर खंड (चेनेज 381.000 से 502.000) पर ईपीसी (इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट एंड कंस्ट्रक्शन) मॉडल के तहत छह पैदल यात्री ओवरब्रिज बनाए जाएंगे।

प्रस्तावित ओवरब्रिज तलासरी (चेनेज 395+520), नीलगिरी होटल क्षेत्र (396+500), आंबोली (406+550), खानिवडे (466+900), बापाने फाटा तथा सासुनावघर में बनाए जाएंगे।

मुंबई-अहमदाबाद राष्ट्रीय राजमार्ग पर लगातार बढ़ते ट्रैफिक के कारण स्थानीय नागरिकों, विद्यार्थियों, महिलाओं, बुजुर्गों और श्रमिकों को सड़क पार करने में गंभीर जोखिम का सामना करना पड़ता था। इस समस्या को देखते हुए सांसद डॉ. हेमंत सावरा ने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी तथा नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया के समक्ष कई बार इस मुद्दे को उठाया था।

डॉ. सावरा ने कहा कि इन फुट ओवरब्रिजों के निर्माण से हाईवे किनारे बसे गांवों के लोगों को सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिलेगी और सड़क दुर्घटनाओं में कमी आएगी। उन्होंने इस महत्वपूर्ण परियोजना को मंजूरी मिलने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी का आभार व्यक्त किया। टेंडर प्रक्रिया शुरू होने के साथ ही क्षेत्र के नागरिकों की लंबे समय से चली आ रही मांग पूरी होने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है।

नालासोपारा में नमिता पवार के पब्लिक रिलेशन ऑफिस का उद्घाटन

नालासोपारा। श्रीप्रस्थ, नालासोपारा (पश्चिम) में भाजपा नेत्री एवं पार्षद नमिता प्रीतेश पवार के नए पब्लिक रिलेशन ऑफिस का उद्घाटन उत्साहपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में पालघर के सांसद डॉ. हेमंत सावरा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

नव स्थापित कार्यालय का उद्देश्य क्षेत्र के नागरिकों की समस्याओं का त्वरित समाधान करना, सरकारी योजनाओं एवं जनकल्याणकारी कार्यक्रमों की जानकारी लोगों तक पहुंचाना तथा जनता के साथ निरंतर संवाद बनाए रखना है। स्थानीय नागरिकों एवं कार्यकताओं ने उम्मीद जताई कि इस पहल से जनसेवा और विकास कार्यों को नई गति मिलेगी। कार्यक्रम में विधायक राजन नाइक, जिला महिला अध्यक्ष प्रज्ञा पटेल, विपक्ष के नेता मनोज पटेल, पूर्व गट नेता अशोक शेलके, जिला महासचिव मनोज बारोट तथा मंडल पदाधिकारी सतीश सिंह सहित अनेक जनप्रतिनिधि, भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक बड़ी संख्या में मौजूद रहे। इस अवसर पर उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों ने नमिता पवार को नए कार्यालय के लिए शुभकामनाएं देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि वे जनसेवा के क्षेत्र में और अधिक प्रभावी भूमिका निभाते हुए क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देंगी।

ग्राम पंचायतों में लगी जन चौपाल, ग्रामीणों को योजनाओं की दी गई जानकारी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में ह्लसेवा, संस्कार, सुशासन एवं सम्मान के 12 वर्षह्व थीम के तहत जनपद में समेकित जनकल्याण एवं जन-जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत विभिन्न विकास खंडों एवं ग्राम पंचायतों में जन चौपाल, स्वच्छता अभियान, जनसंवाद कार्यक्रम तथा जनसमस्या समाधान शिविर आयोजित कर ग्रामीणों को शासन की योजनाओं की जानकारी दी जा रही है।

जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन. के निर्देश पर पंचायत राज विभाग द्वारा जनपद की ग्राम पंचायतों में स्वच्छता एवं जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान ग्रामीणों को स्वच्छता, जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण तथा सिंगल यूज प्लास्टिक के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया गया। अधिकारियों ने गांवों को प्लास्टिक मुक्त बनाने का आह्वान भी किया। जिला पंचायत राज अधिकारी नवीन सिंह के नेतृत्व में चलाए गए सिंगल यूज प्लास्टिक उन्मूलन अभियान के तहत करीब 40 कुंतल प्लास्टिक अपशिष्ट का संग्रहण किया गया। वहीं, विकास खंड बक्शा की ग्राम पंचायत बक्शा एवं सिकरारा की ग्राम पंचायत पालपुर में तालाबों को प्लास्टिक मुक्त बनाने और सौंदर्यीकरण कार्यों का निरीक्षण भी किया गया।

विशेष जनसंपर्क एवं जन-जागरूकता अभियान के अंतर्गत सभी ग्राम पंचायतों में ग्राम सभाओं की बैठकें आयोजित की गईं तथा मलिन बस्तियों में जनसंवाद कार्यक्रम एवं समस्या समाधान शिविर लगाए गए। इसी क्रम में विकास खंड बदलापुर की ग्राम पंचायत मलूकपुर में आयोजित ह्लसरकार आपके द्वारह्व जन चौपाल में ग्रामीणों की समस्याएं सुनी गईं।

जन चौपाल के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान भारत योजना, किसान सम्मान निधि, स्वच्छ भारत मिशन, उज्ज्वला योजना, मनरेगा, वृद्धावस्था पेंशन तथा मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास योजना सहित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। ग्रामीणों ने आवास, शौचालय, बिजली और पेंशन से जुड़ी समस्याएं अधिकारियों के समक्ष रखीं, जिनके त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए गए। कार्यक्रम में अधिकारियों ने ग्रामीणों से शासन की योजनाओं का लाभ लेने, स्वच्छ एवं प्लास्टिक मुक्त वातावरण बनाने तथा विकास कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की।

सोशल मीडिया पर रंगबाजी दिखाना पड़ा महंगा, दो युवक गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सोशल मीडिया पर गैंगबाजी और रंगबाजी का प्रदर्शन कर क्षेत्र में भय एवं अशांति का माहौल बनाने का प्रयास करने वाले दो युवकों को चन्दवक पुलिस ने गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर चलाए जा रहे ₹ऑपरेशन वज्रपातह अभियान के तहत की गई। पुलिस के अनुसार सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर आपत्तिजनक वीडियो और पोस्ट साझा कर कानून-व्यवस्था प्रभावित करने तथा दहशत फैलाने की कोशिश करने वाले अराजक तत्वों की निगरानी की जा रही थी। इसी क्रम में पहचान होने पर मंगलवार को दो युवकों को हिरासत में लिया गया। गिरफ्तार आरोपियों में मो. हकीम पुत्र मो. रहमुल्ला निवासी चवरवर बरौटी थाना चन्दवक तथा साहिल अहमद पुत्र समीउल्ला निवासी ग्राम चन्दवक शामिल हैं। पुलिस ने दोनों के खिलाफ शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से बीएनएसएस की धारा 170/126/135 के तहत कार्रवाई करते हुए न्यायालय में प्रस्तुत किया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सोशल मीडिया का दुरुपयोग कर गैंगबाजी, रंगबाजी या समाज में भय का माहौल बनाने वाले व्यक्तियों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। ऐसे मामलों में सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस कार्रवाई में प्रभारी निरीक्षक अमित कुमार सिंह, उपनिरीक्षक परशुराम सिंह, हेड कांस्टेबल बलवंत सिंह तथा कांस्टेबल पियूष कुमार सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस ने युवाओं से सोशल मीडिया का जिम्मेदारीपूर्वक उपयोग करने और कानून-व्यवस्था को प्रभावित करने वाली गतिविधियों से दूर रहने की अपील की है।

'हार्टफुलनेस' के मार्गदर्शक दाजी की नई पुस्तक 'फाइव प्रिस्क्रिप्शंस फ्रॉम द अष्टावक्र महागीता' का विमोचन

मुंबई/नई दिल्ली। 'हार्टफुलनेस' के वैश्विक मार्गदर्शक दाजी द्वारा लिखित बहुप्रतीक्षित नई पुस्तक 'फाइव प्रिस्क्रिप्शंस फ्रॉम द अष्टावक्र महागीताः एंशिएंट विजडम फॉर द मॉडर्न हार्ट' (आधुनिक हृदय के लिए प्राचीन ज्ञान) का विमोचन केंद्रीय श्रम एवं रोजगार तथा युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया ने किया। इस महत्वपूर्ण समारोह में नीति-निमार्ताओं, आध्यात्मिक साधकों, शिक्षाविदों और विचारकों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य सुशासन, नेतृत्व और गहन आध्यात्मिक ज्ञान के अद्वितीय समन्वय को रेखांकित करना था। केंद्रीय मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया ने कहा, ₹हार्टफुलनेस एक ऐसा विज्ञान है, जो हमें स्वयं से जुड़ने और अपनी आंतरिक शक्ति को पहचानने में सहायता करता है। जब हम ज्ञान में पारंगत होने का प्रयास करते हैं, तो उसका प्रभाव दूसरों पर भी पड़ता है। इसी प्रकार दाजी अपने गुरुओं से प्राप्त ज्ञान के प्रकाश को संपूर्ण विश्व के साथ साझा कर रहे हैं। 'हार्टफुलनेस' के मार्गदर्शक एवं 'श्री राम चंद्र मिशन' के अध्यक्ष आदरणीय दाजी ने कहा, ₹भारत के युवाओं को जागृत होकर देश को प्रगति के अगले चरण की ओर अग्रसर करना होगा। मैं आज यहां उपस्थित होने के लिए मंडाविया जी का हृदय से आभारी हूं। उन्होंने सदैव हमारे आंदोलन का समर्थन किया है और हमें सम्मान दिया है। साथ ही, उन्होंने 'कान्हा शांति वनम' स्थित फुटबॉल स्टेडियम को 2036 ओलंपिक के संभावित आयोजन स्थलों में शामिल करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की है।

मोटोरोला ने लॉन्च किया मोटोरोला एज 70 प्रो प्लस

रांची । मोटोरोला ने अपना नया फ्लैगशिप स्मार्टफोन मोटोरोला एज 70 प्रो प्लस लॉन्च किया है। सभी कैमरे 4के 60 एफपीएस वीडियो रिकॉर्डिंग को सपोर्ट करते हैं। मोटोरोला एज 70 प्रो प्लस में 6.8 इंच सुपर एचडी प्लस एक्सट्रीम अमोलेड 144एचजेड 1.5के क्वाड-कर्व्ड डिस्प्ले दिया गया है, जिसमें 5200 निट्स पीक ब्राइटनेस, एचडीआर10 प्लस और गोरिल्ला ग्लास 7आई प्रोटेक्शन मिलता है।मोटोरोला एज 70प्रोप्लस आईपी68 प्लस आईपी69 रेटिंग, एमआईएल- एसटीडी-810 एच ड्यूरेबिलिटी, डॉल्बी अट्मॉस स्टीरियो स्पीकर्स और मोटो एआई 2.0 फीचर्स के साथ आता है। यह एंड्राइड 16 आधारित हेलो यूआई पर चलता है तथा 3 साल के ओएस अपग्रेड और 5 साल के सुरक्षा अपडेट्स के साथ उपलब्ध होगा। यह स्मार्टफोन 11 जून 2026 से फ्लिपकार्ट, मोटोरोलाडॉटइन.और प्रमुख रिटेल स्टोर्स पर बिक्री के लिए उपलब्ध होगा। इसकी प्रभावी शुरूआती लॉन्च कीमत 44,999 रुपए रखी गई है।

पीएनबी ने दिव्यांगजनों के लिए किफायती ऋण की पहुंच का विस्तार करने हेतु पीएनबी दिव्यांग ऋण की शुरूआत की

मुंबई। भारत के अग्रणी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में से एक, पंजाब नैशनल बैंक (पीएनबी) ने ₹पीएनबी दिव्यांग ऋणह की शुरूआत की है, जो एक रियायती आवास और वाहन ऋण योजना है। इसे किफायती और सुलभ वित्तीय समाधानों के माध्यम से दिव्यांगजनों को सशक्त बनाने के लिए तैयार किया गया है। यह योजना राष्ट्रीय दिव्यांगजन वित्त और विकास निगम (एनडीएफडीसी) के साथ साझेदारी में शुरू की गई है, जिसके अंतर्गत बैंक आवास और गतिशीलता की आवश्यकताओं के लिए रियायती वित्तपोषण प्रदान करेगा, जिसे एनडीएफडीसी से 100% पुनर्वित्त सहायता प्राप्त होगी। इस योजना के अंतर्गत, पात्र भारतीय नागरिक खरीद, निर्माण, नवीकरण या संयुक्त आवास (कंपोजिट हाउसिंग) के उद्देश्यों के लिए 50 लाख तक के आवास ऋण का लाभ उठा सकते हैं। इसके अतिरिक्त, गतिशीलता, रोजगार क्षमता और वित्तीय स्वतंत्रता में सुधार लाने के उद्देश्य से संशोधित चौपहिया वाहनों (50 लाख तक) और दोपहिया वाहनों (1.50 लाख तक) के लिए रियायती वाहन ऋण उपलब्ध कराए जाएंगे। आवास ऋण और वाहन ऋण दोनों का लाभ उठाने वाले ग्राहक के लिए अधिकतम संयुक्त सीमा 50 लाख निर्धारित की गई है। इस अवसर पर बोलते हुए, रिटेल आस्ति कारोबार प्रभाग, पीएनबी के महाप्रबंधक, सुबोध कुमार ने कहाः पीएनबी में हमारा मानना है कि वित्तीय समावेशन का वास्तविक अर्थ समाज के प्रत्येक वर्ग के लिए सार्थक पहुंच, सम्मान और सशक्तिकरण होना चाहिए। 'पीएनबी दिव्यांग ऋण' हमारी उस प्रतिबद्धता का प्रतीक है जिसके तहत हम ऐसी समावेशी बैंकिंग सेवाएं तैयार करना चाहते हैं जो दिव्यांग व्यक्तियों को अधिक वित्तीय स्वतंत्रता, बेहतर गतिशीलता और अपना घर होने के सपने को पूरा करने में सक्षम बना सकें। रियायती ब्याज दरों और औपचारिक ऋण तक आसान पहुंच प्रदान करके, इस योजना का उद्देश्य उन समुदायों के लिए संस्थागत वित्त को अधिक किफायती और सुलभ बनाना है जो अब तक इन सुविधाओं से वंचित रहे हैं। यह पहल लक्षित वित्तीय सहायता के माध्यम से दिव्यांगजनों के समावेशी विकास और आर्थिक सशक्तिकरण के भारत सरकार के विजन के अनुरूप है।

श्रीराम फार्म सॉल्युशन्स ने नए बीज उत्पाद लॉन्च किए

गयाजी। डीसीएम श्रीराम लिमिटेड के प्रभाग श्रीराम फार्म सॉल्युशन्स ने रांची, झारखंड में आयोजित एक कार्यक्रम में हाइब्रिड बीज, रिसर्च बीज और सब्जियों के बीज की नई श्रृंखला लॉन्च की। इस अवसर पर क्षेत्र के प्रमुख चैनल पार्टनर मौजूद रहे। कंपनी ने हाइब्रिड सीड सेगमेंट में धान के दो नए बीज श्रीराम 470 और श्रीराम 735 पेश किए। वहीं रिसर्च सीड सेगमेंट में श्रीराम सुपर 7733 और श्रीराम सुपर 7700 लॉन्च किए गए।

गौराबादशाहपुर की ज्वेलरी शॉप पर महाराष्ट्र पुलिस का छापा, संचालक को हिरासत में लेकर गई टीम

-रियाजुल हक

गौराबादशाहपुर, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर पंचायत गौराबादशाहपुर स्थित बारी रोड पर स्थित मोहन सेठ सुजीत ज्वेलर्स पर मंगलवार को महाराष्ट्र पुलिस ने अचानक छापेमारी की। पुलिस की इस कार्रवाई से स्थानीय बाजार में हड़कंप मच गया। दोपहर लगभग 4 बजे महाराष्ट्र पुलिस की टीम एक हथकड़ी लगे हुए व्यक्ति को लेकर ज्वेलरी शॉप के अंदर पहुंची। छापेमारी के दौरान पुलिस ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए थे और मौके पर मौजूद मीडिया कर्मियों को घटनास्थल से दूर ही रखा गया। पुलिस और टीम के सदस्यों ने दुकान के भीतर करीब डेढ़ घंटे तक सघन छानबीन की। शाम लगभग 5:30 बजे पुलिस टीम जांच पूरी करने के बाद दुकान के मालिक सुजीत सेठ को भी अपने साथ ले गई। इस छापेमारी के दौरान पुलिस ने दुकान से क्या बरामद किया और मामला किस घटना से जुड़ा है, इसका खुलासा फिलहाल नहीं हो सका है। स्थानीय स्तर पर घटना के संबंध में जानकारी लेने पर थाना अध्यक्ष गंगासागर मिश्रा ने बताया कि मामला उनके संज्ञान में है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र पुलिस द्वारा की जा रही छानबीन अभी जारी है, जिसके चलते अभी इस विषय में कुछ भी आधिकारिक रूप से बताया जाना संभव नहीं है।

पत्नी की हत्या कर आंगन में दफनाया, छह साल बाद मिला इंसाफ, आजीवन कारावास की सजा

संपत्ति विवाद में की थी निर्मम हत्या, शव पर नमक डालकर मिटाने की कोशिश की थी पहचान

ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत वाराणसी पुलिस की प्रभावी पैरवी रंग लाई

वाराणसी। संपत्ति विवाद में पत्नी की हत्या कर उसके शव को घर के आंगन में दफनाने और साक्ष्य मिटाने के सनसनीखेज मामले में वाराणसी की अदालत ने अभियुक्त पति को दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। लगभग छह वर्ष पुराने इस बहुचर्चित हत्याकांड में न्यायालय ने अभियुक्त पर कुल 70 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। न्यायालय के फैसले को ₹ऑपरेशन कन्विक्शनह अभियान के तहत वाराणसी पुलिस और अभियोजन पक्ष की प्रभावी पैरवी की बड़ी सफलता माना जा रहा है।

सोमवार को अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, कक्ष संख्या-14, वाराणसी के न्यायाधीश अतुल चौधरी ने थाना लोहता में वर्ष 2020 में दर्ज हत्या के मामले में अभियुक्त राजेंद्र प्रसाद पुत्र स्व. नखडू राम निवासी भिटारी, थाना लोहता को दोषसिद्ध पाते हुए भारतीय दंड संहिता की धारा 302 एवं 201 के तहत सजा सुनाई। न्यायालय ने धारा 302 आईपीसी के तहत अभियुक्त को आजीवन सश्रम कारावास एवं 50 हजार रुपये अर्थदंड से दंडित किया। अर्थदंड अदा न करने की स्थिति में एक वर्ष के अतिरिक्त कारावास का प्रावधान किया गया है। वहीं धारा 201 आईपीसी के तहत तीन वर्ष के कारावास एवं 20 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई गई। जुमार्ना न देने पर चार माह का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा।

पत्नी को मारकर आंगन में ही दफना दिया था

अभियोजन के अनुसार, वादी रामविलास हरिजन निवासी भिटारी ने थाना लोहता में दर्ज कराई गई प्राथमिकी में बताया था कि 28 दिसंबर 2020 को वह और उसका भाई अमर अपने-अपने कार्य पर गए थे। दोपहर में घर लौटने पर उनकी मां आशा देवी घर पर नहीं मिलीं। पूछने पर पिता राजेंद्र प्रसाद ने बताया कि वह सुनार की दुकान पर गई हैं और जल्द लौट आएंगी। शाम तक मां के वापस न आने पर दोनों पुत्रों को संदेह हुआ। इस दौरान उन्होंने देखा कि उनके पिता आंगन में फरसे से मिट्टी समतल कर रहे थे। जब दोनों भाइयों ने कमरे के भीतर जाकर देखा तो वहां खून के छींटे पड़े थे। संदेह गहराने पर उन्होंने उस स्थान की खुदाई की, जहां मिट्टी समतल की जा रही थी। खुदाई में उनकी मां आशा देवी का शव बरामद हुआ, जिसे हत्या के बाद जमीन में दफना दिया गया था। शव को जल्द गलाने के उद्देश्य से उसके ऊपर नमक भी डाला गया था। अभियोजन के मुताबिक, पुत्रों के पूछने पर राजेंद्र प्रसाद ने स्वयं स्वीकार किया था कि वह पत्नी से संपत्ति अपने नाम कराने का दबाव बना रहा था। विरोध करने पर उसने उसकी हत्या कर शव को आंगन में दफना दिया। इसके बाद वह मौके से फरार हो गया था।

तीन दिन बाद हुई गिरफ्तारी

घटना की सूचना मिलने पर थाना लोहता पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस ने घटना के तीन दिन बाद अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया। विवेचना के दौरान जुटाए गए वैज्ञानिक एवं परिस्थितिजन्य साक्ष्यों के आधार पर आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल किया गया। मुकदमे के दौरान अभियोजन पक्ष ने कुल 10 गवाहों को न्यायालय में प्रस्तुत किया। गवाहों के बयान, पोस्टमार्टम रिपोर्ट, बरामदगी और अन्य साक्ष्यों के आधार पर न्यायालय ने अभियुक्त को दोषी करार दिया।

ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत मिली सफलता

प्रदेश सरकार द्वारा संचालित ऑपरेशन कन्विक्शन अभियान के अंतर्गत पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल के निर्देशन में कमिश्नरेट वाराणसी पुलिस लगातार गंभीर अपराधों से जुड़े मामलों की मॉनिटरिंग कर रही है। इसी क्रम में इस मामले की प्रभावी पैरवी सुनिश्चित की गई। अभियोजन की ओर से रोहित मौर्य (एडीजीसी क्रिमिनल) तथा अधिवक्ता सुधांशु गुप्ता ने न्यायालय में सशक्त पक्ष रखा। वहीं विवेचना एवं साक्ष्य संकलन में पुलिस अधिकारियों और अभियोजन टीम की समन्वित भूमिका रही, जिसके परिणामस्वरूप अदालत ने अभियुक्त को कठोर दंड सुनाया।

फैसले की प्रमुख बातें

वर्ष 2020 में थाना लोहता क्षेत्र में हुई थी वारदात।

संपत्ति विवाद को लेकर पत्नी आशा देवी की हत्या। शव को घर के आंगन में दफनाकर ऊपर डाला गया था नमक। दोनों पुत्रों ने खुदाई कर बरामद किया था मां का शव।

पुलिस ने तीन दिन बाद आरोपी पति को किया था गिरफ्तार।

न्यायालय में 10 गवाहों के बयान हुए दर्ज। धारा 302 में आजीवन कारावास व 50 हजार रुपये जुमार्ना। धारा 201 में तीन वर्ष कारावास व 20 हजार रुपये जुमार्ना। ऑपरेशन कन्विक्शनह के तहत वाराणसी पुलिस को बड़ी सफलता।